मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 29 नवंबर 2024

संवत 2081, मार्गशीर्ष कृष्ण 14- मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 83 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ शीतकाल में जहां कर सकते हैं चारधाम दर्शन

एक वीडियों में नहीं दिखा ऐश्वर्या राय के नाम के आगे 'बच्चन' सरनेम ◂◂ 6

पीएम मोदी और सीएम हेमंत सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा को दी श्रद्धांजलि

सड़क दुर्घटना में मंगल मुंडा की हो गयी थी मौत

मेट्रो रेज

रांचीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल के निधन पर दुख व्यक्त किया है। पीएम ने भगवान बिरसा के वंशन को श्रद्धांजलि देते हुए परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर दी श्रद्धांजलिः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) पर शुक्रवार को लिखा, भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना उनके परिवार के साथ ही झारखंड के जनजातीय समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करें। ओम शांति!

मंगल मुंडा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेनः धरती आबा के वंशज की 28 नवंबर का आधी रात के बाद 12:30 बजे रिम्स में निधन हो गया। 25 नवंबर को खूंटी में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद मंगल मुंडा (45) को बेहतर इलाज के लिए रांची लाया गया था। तब से वह राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती थे। सीएम समेत झारखंड के कई बड़े नेता उनका हाल-चाल जानने रिम्स पहुंचे थे। उनके इलाज के लिए डॉक्टरों की एक विशेष टीम बनाई गई थी। हालांकि, उन्हें बचाया न जा सका।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धरती आबा के वंशज मंगल मुंडा को दी भावभीनी श्रद्धांजलिः शुक्रवार को जैसे ही उनके निधन की सूचना मिली, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रिम्स जाकर दिवंगत मंगल मुंडा के पार्थिव शरीर पर पुष्प-चक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

भगवान बिरसा के वंशजों को हरसंभव मदद का सीएम ने दिया भरोसाःमुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत मंगल मुंडा के परिजनों को राज्य सरकार के स्तर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने निधन पर शोक जताया : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी मंगल मुंडा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा था मंगल मुंडा का इलाजः मंगल मुंडा का रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा था। सूबे के मुखिया हेमंत सोरेन और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने ट्रामा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी में इलाजरत धरती आबा के वंशज मंगल मुंडा के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। उनके परिजनों से बात भी की थी।

25 नवंबर की रात को खूंटी में सड़क दुर्घटना में घायल हुए थे मंगलः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डॉक्टरों से कहा था कि मंगल मुंडा का बेहतर से बेहतर इलाज किया जाए। उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। 25 नवंबर की रात को बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा खूंटी में सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। उनके इलाज के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था।

यूपी में कई जगह ईडी का छापा

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज कुंद्रा के करीबियों पर कार्रवाई, एक को हिरासत में लिया

कानपुर/गोरखपुर : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और कारोबारी राज कुंद्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगह छापा मारा। टीम यहां राज कुंद्रा प्रोडक्शन का काम देखने वाले कर्मचारी और उनके करीबियों के ठिकानों पर गई। कानपुर के अलावा, गोरखपुर और कुशीनगर में भी छापेमारी की गई है। गोरखपुर से एक युवक को हिरासत में लेने की बात सामने आई है।

मोबाइल एप के जरिए अश्लीलः सामग्रियों को तैयार करने और प्रसारित करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह कार्रवाई की है। कानपुर में शुक्रवार की सुबह ईडी ने श्याम नगर में छापेमारी की। यहां रहने वाले नर्वदा श्रीवास्तव का बड़ा बेटा अरविंद श्रीवास्तव, जो कानपुर आईआईटी से इंजीनियरिंग करने के बाद से बाहर जॉब कर रहा था। अरविंद्र श्रीवास्तव पत्नी हर्षिता श्रीवास्तव के साथ सिंगापुर में रहता है। अरविंद्र श्रीवास्तव सिंगापुर में रहकर राज कुंद्रा प्रोडक्शन का काम संभालता था। बताया जा रहा है कि टीम यहां मुंबई पुलिस के द्वारा 2021 में दर्ज हुए केस की जांच करने पहुंची थी। उधर, प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गोरखपुर और कुशीनगर में भी छापा मारा है। यहां भी आशंका जताई जा रही है कि मुंबई के पोर्नोग्राफी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में ये छापा मारा गया है। यहां पडरौना के वार्ड नंबर छह में सॉफ्टवेयर कंपनी से जुड़े श्रीवास्तव परिवार के यहां टीम ने छापा मारा है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक युवक को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। इसके बाद गोरखपुर सेंटर में टीम जांच का रही है। गोरखपुर से ही टीम ने एक गिरफ्तारी भी की है। बताया जा रहा है कि ये छापा भी राज कुंद्रा के साथ जुड़े नेटवर्क की जांच को लेकर मारा गया है।

जुमे की नमाज से पहले छावनी में तब्दील हुआ संभल

संभल : प्रदेश के संभल में शाही जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर बीते रविवार को हिंसा भड़क उठी थी। हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। हालांकि, मस्जिद का सर्वे पूरा हो गया था, जिसकी रिपोर्ट शुक्रवार यानी आज कोर्ट में पेश की जाएगी। संभल में आज पुलिस अलर्ट मोड में है। जुमे की नमाज से पहले शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती है। शहर में पीएसी की 15 कंपनियां और रैफ की 2 कंपनियां तैनात हैं। 10 जिलों की पुलिस इलाके में गश्त कर रही है। इसके अलावा दंगा निरोधी दस्ते की टीम शहर में विशेष निगरानी कर रही है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से मस्जिद के आसपास के इलाकों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिसकर्मी बॉडी कैमरों के साथ तैनात हैं। बीएनएस की धारा 163 लागू है। चार से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर पाबंदी है। इंटरनेट सेवा अस्थाई रूप से बंद है। जामा मस्जिद के बाहर नमाज की अनुमति नहीं है। अधिकारियों की मानें तो केवल मस्जिद के अंदर इबादत की अनुमति है।

संभल मामले पर सुप्रीम कोर्ट का अहम निर्देश

'हाईकोर्ट के आदेश तक निचली अदालत न करे कोई कार्रवाई '

नई दिल्लीः संभल हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश देते हुए निचली अदालत से संभल जामा मस्जिद मामले पर सुनवाई न करने को कहा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की भी हिदायत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा है और कहा कि अब हाईकोर्ट के निर्देश पर ही कोई कार्रवाई हो सकेगी।

मस्जिद समिति ने दायर की थी सुप्रीम कोर्ट में याचिकाः दरअसल मस्जिद समिति ने सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर कर मस्जिद का सर्वे कराने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकताओं से पूछा कि वह उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कुछ अहम निर्देश दिए, जिनके मुताबिक निचली अदालत को इस मामले पर सुनवाई करने से 8 जनवरी तक रोक दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत के फैसले से उन्हें कुछ आपत्तियां हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय द्वारा किए जाने का निर्देश दिया है। साथ ही सर्वोच्च अदालत ने उच्च न्यायालय से याचिका दायर होने के बाद तीन दिनों में याचिका पर सुनवाई करने का निर्देश दिया।

एडवोकेट कमिश्नर की सर्वे रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में रखने का आदेशः गौरतलब है कि निचली अदालत के आदेश के बाद एडवोकेट कमिश्नर द्वारा संभल जामा मस्जिद का सर्व किया गया। इस सर्वे के दौरान ही बीते दिनों संभल में हिंसा भड़की, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हालात को देखते हुए एडवोकेट कमिश्नर की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने और जारी न करने का भी निर्देश दिया है।

संभल जामा मस्जिद का सर्वे रिपोर्ट आज नहीं हो सका पेश

संभल : उत्तर प्रदेश का संभल बीते रविवार को हिंसा की आग में जल उठा। शाही मस्जिद के सर्वे के बाद भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग जख्मी हो गए। मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट आज कोर्ट में अधिकारियों को जमा करनी थी। इसी बीच, कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने आज अदालत में सुनवाई से पहले बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आज सर्वे रिपोर्ट कोर्ट में पेश नहीं होगी। कोर्ट से अगली तारीख मांगेगे।

कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने कहा है कि हिंसा की वजह से सर्वे का काम अधूरा रह गया था। आज कोर्ट से आग्रह करेंगे कि रिपोर्ट पेश करने के लिए दूसरी तारीख दी जाए। मुस्लिम पक्ष के वकील शकील अहमद वारसी ने कहा कि हम पूरी तरह से तैयारी हैं। हम पहले नकल मांगेंगे और कोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष रखेंगे। अब मामले की अगली सुनवाई आठ जनवरी को होगी

न्यूज ब्रीफ

झामुमो कार्यकर्ताओं ने की नवनिर्वाचित विधायक योगेंद्र महतो को मंत्री बनाने की मांग

गोमिया : गोमिया विधानसभा क्षेत्र से झामुमो के नवनिर्वाचित विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो की शानदार जीत के बाद झामुमो कार्यकर्ताओं ने गुलदस्ते भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने झारखंड सरकार में योगेंद्र प्रसाद महतो को कैबिनेट मंत्री बनाने का मांग किया है। उनके कार्य करने की बेहतरीन सूझबूझ के कारण उन्हें बेहतर विभाग के मंत्रालय का जिम्मा सौंपने का मांग किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि योगेंद्र प्रसाद महतो की बेहतर कार्य शैली से राज्य के डेवलपमेंट का ग्राफ लगातार नियमित व सुचारू रूप से बढ़ेगा। 19 वर्षों से निरंतर योगेंद्र प्रसाद ने गोमिया विधानसभा क्षेत्र के जनता की समस्याओं का समाधान करते आए हैं। इस कारण वे जनता के बीच काफी लोकप्रिय हैं। जनता ने उन्हें भारी समर्थन देकर जिताया है। मौके पर झामुमो गोमिया प्रखंड उपाध्यक्ष अमित पासवान, मुखिया बंटी उरांव, मुखिया शांति देवी, मुखिया रामवृक्ष मुर्मू, पूर्व मुखिया चंद्रदीप पासवान, विशाल जायसवाल, राजू शाह, धीरज यादव, दीपक रजक, मनदीप बधावन, मंजूर इलाही, संतोष पासवान, सोनाराम बेसरा, वार्ड सदस्य यासमीन परवीन, पूनम देवी, क्रांति देवी, ललिता देवी, सुचिता देवी मौजूद थे।

कोटपा के तहत सिटी थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर 19 दुकानों का काटा गया चालान

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र में कोटपा-2003 के अनुपालन हेतु नयामोड, दुन्दीबाग, कोआपरेटिव एवं कैम्प-2 में विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा-2003) की धारा 4 व 6ए, 6बी व ई-सिगरेट की जांच की गई। छापामारी के दौरान कुल 73 दुकानों की जांच की गई जिसमें 19 व्यक्ति व दुकानदार कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुये पाया गया उसको कोटपा-2003 की धारा 4, 6ए एवं 6बी के अन्तर्गत चालान काटकर 3070 रू अर्थदन्ड की वसूली की गई। जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि कोटपा-2003 की धारा 6बी के तहत स्कूल के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की विक्री करना कानूनन अपराध है। जिला परामर्शी के अनुसार सभी विक्रेता/दुकानदार को सूचित किया जाता है कि कोटपा 2003 की धारा 6 ए में वर्णित प्रावधानों के आलोक में वैधानिक चेतावनी वाले बोर्ड (आकार एवं मापदण्ड) के अनुरूप जिसमें लिखा हो ह्लह्ल18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू उत्पाद बेचना कानूनन अपराध है प्रमुखता से प्रदर्शन किया गया हो। जिला परामर्शी द्वारा सभी दुकानदारों से अनुरोध किया गया है कि बिना वैधानिक चेतावनी वाले सिग्रेट अथवा तम्बाकू उत्पाद की बिक्री न करें साथ ही सभी आमजनमानस से अनुरोध है कि खुले में धुम्रपान का सेवन न करें। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सिटी थाना की गशती बल साथ में उपस्थित थे।

7 वें वेतनमान की मांग को लेकर गोड्डा कॉलेज के कर्मियों की हड़ताल जारी

गोड्डा : सातवां वेतनमान सहित अन्य मांगों को लेकर गोड्डा कॉलेज के शिक्षकेतर कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। कर्मचारियों ने गुरुवार को कॉलेज के गेट के पास धरना दिया। कर्मचारियों ने बताया कि सातवां वेतनमान व एसीपी का लाभ हमारी दो प्रमुख मांगें हैं। पिछले जुलाई में भी संघ ने हड़ताल की थी। उस समय कॉलेज प्रबंधन व कर्मियों के बीच समझौता वार्ता में सहमति बनी थी। प्रबंधन ने जल्द ही सारा लाभ देने का लिखित आश्वासन दिया था। लेकिन समझौता अब तक लागू नहीं हुआ। विवश होकर कर्मचारियों को फिर आंदोलन का रुख अख्तियार करना पड़ा। कर्मियों ने कहा जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, हड़ताल जारी रहेगी। अगर मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो अगले सप्ताह से कॉलेज के मेनगेट पर ही तालाबंदी कर दी जाएगी।

सत्ता संभालते ही हेमंत सोरेन ने चुनाव आयोग के फैसलों को बदला

बदले गये अधिकारियों की वापसी,भजंत्री फिर बने डीसी

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड में मुख्यमंत्री के रूप में फिर से पदभार संभालने के साथ ही हेमंत सोरेन ने बड़े बदलाव किए हैं। अनुराग गुप्ता को एक बार फिर झारखंड का प्रभारी डीजीपी बनाया गया है। इसके साथ साथ वह सीआईडी व एसीबी के डीजी का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। वहीं, राज्य के डीजीपी के पद पर पदस्थापित अजय कुमार सिंह को स्थांतरित करते हुए पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। इसके अलावा, मंजूनाथ भजंत्री को रांची जिला उपायुक्त (डीसी) बनाया गया है। अगले आदेश तक भजंत्री के पास उपायुक्त के साथ ही रांची के बंदोबस्त पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। वहीं, वरुण रंजन को डीसी पद से हटाते हुए उन्हें जुडको का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है।

वरुण रंजन को सौंपा ये कार्यभार: बता दें कि मंजूनाथ भजंत्री को विधानसभा चुनाव के समय चुनाव आयोग ने हटाने का आदेश देते हुए सरकार को नए डीसी को नियुक्त करने के लिए कहा था। इसके बाद वरुण रंजन को रांची का डीसी बनाया गया था। रांची के डीसी रहे रंजन को झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। वह अगले आदेश तक खान आयुक्त के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के ठीक पहले चुनाव आयोग के निर्देश पर मंजूनाथ भजंत्री को रांची डीसी के पद से हटा दिया गया था।

अनुराग गुप्ता को मिली जिम्मेदारी

एसीबी डीजी के पद पर तैनात अनुराग गुप्ता को झारखंड डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। साथ ही, कुमार को झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी के पद पर तैनात किया गया है। बीते साल अजय कुमार सिंह को बनाया गया था डीजीपीः बता दें कि बीते साल नीरज सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के पश्चात 1989 बैच के आइपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह को बीते साल झारखंड का नया डीजीपी बनाया गया था। वह इससे पहले एसीबी का डीजी और झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष का पदभार संभाल चुके हैं। इसके अलावा वह हजारीबाग, धनबाद समेत कई जिलों में बतौर एसपी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वह बिहार के कई जिलों के एसपी रह चुके हैं।

मंजूनाथ रांची के डीसी और अजीत पीटर डुंगडुंग देवघर के एसपी बने

इसी तरह देवघर के एसपी रहे अजीत पीटर डुंगडुंग और रांची के डीसी रहे मंजूनाथ भजंत्री को भी चुनाव आयोग के आदेश पर उनके पदों से हटाया गया था। अब एक बार फिर इन दोनों अधिकारियों को वापस उन्हीं पदों पर तैनात किया गया है। इसके अलावा अंबर लकड़ा को जैप तीन कमांडेंट के पद पर तैनात किया गया है।

शपथ ग्रहण के बाद हेमंत सरकार का पहला फैसला

मईया सम्मान योजना के तहत महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपये

- स्टीफन मराडी बने प्रोटेम स्पीकर
- झारखंड का विस सत्र 9 से 12 दिसंबर तक

रांची: नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने कुछ अहम फैसले लिए हैं। जिसके तहत राज्य सरकारी मईंया सम्मान योजना के तहत महिलाओं को मिल रही धनराशि में बढ़ोतरी की गई है, जिसके तहत अब महिलाओं को 2500 रुपए मिलेंगे, ये राशि दिसंबर महीने से लाभार्थी महिलाओं को दिए जाएंगे। वहीं सरकार के अन्य फैसलों में 9 से 12 दिसंबर तक विधानसभा सत्र का आयोजन किया जाएगा। जिसमें संभवतः सरकार की तरफ से विधानसभा में विश्वास मत हासिल किया जाएगा।

अबुआ सरकार के शपथ ग्रहण के बाद लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय–

–मईंयां सम्मान योजना की सम्मान राशि बढ़कर मिलेगी 2500 रुपया

–राज्य में जेपीएससी/ जेएसएससी के अंतर्गत होने वाली नियुक्ति प्रक्रिया को तेज किया जाएगा।

- केंद्र सरकार के पास राज्य का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए को लेने की होगी कवायद

हेमंत सरकार के अन्य फैसलों की बात करें, तो इसमें विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति भी शामिल है। जिसके लिए महेशपुर विधानसभा सीट से निर्वाचित विधायक स्टीफन मरांडी का नाम प्रस्तावित किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने अपने पहले ही दिन अपने रुख साफ कर दिए हैं, जिसके तहत केंद्र से झारखंड के बकाया पैसे को लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, वहीं इसे लेकर राज्य सरकार की तरफ से कानूनी विकल्प भी तलाशे जाएंगे।

शपथग्रहण के बाद सिदो–कान्हू को नमनः मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने रांची के मोरहाबादी स्थित सिदो कान्हू पार्क में आदिवासी नेता सिदो और कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

अविनाश कुमार होंगे सीएम के अपर मुख्य सचिव

एक अन्य महत्वपूर्ण आदेश के अनुसार, अविनाश कुमार को सीएम हेमंत सोरेन के अपर मुख्य सचिव का प्रभार दिया गया है। वह ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव, विकास आयुक्त, ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी और झारखंड भवन के मुख्य स्थानिक आयुक्त के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

अक्तूबर में हटाया गया था पद सेः झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन के झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ घंटे बाद ही भजंत्री को फिर से मुख्यमंत्री पद पर लाने का फैसला किया गया। बता दें, 2011 बैच के आईएएस अधिकारी को हेमंत सोरेन सरकार द्वारा 20 और 23 नवंबर को दो चरणों में हुए चुनाव से पहले 30 सितंबर को रांची का डीसी नियुक्त किया गया था। भाजपा के कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शिकायत किए जाने के बाद 15 अक्तूबर को उन्हें हटा दिया गया था और झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) में इसके सीईओ के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया था।

क्या है मामला?: भजंत्री ने अपने कार्यकाल के दौरान आरोप लगाया था कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और आठ अन्य ने देवगढ़ हवाई अड्डे में एटीसी कक्ष में प्रवेश किया था और अगस्त 2022 में निर्धारित समय से परे अपनी चार्टर्ड उड़ान को उतरवाने के लिए जबरन मंजूरी ली थी। इसके बाद दोनों के बीच ट्विटर वॉर छिड़ गई थी। दुबे ने अधिकारी के खिलाफ एक प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि वह राजद्रोह में शामिल हैं और उसने सरकारी गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन किया है। हालांकि, झारखंड उच्च न्यायालय ने इस साल अगस्त में एफआईआर को रद्द कर दिया था।

पीएम मोदी ने सीएम हेमंत को दी बधाई

रांचीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हेमंत सोरेन को झारखंड के 14 वें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि झारखंड के सीएम के रूप में शपथ लेने पर हेमंत सोरेन को बधाई। उनके आगामी कार्यकाल के लिए उन्हें शुभकामनाएं।

पथ ग्रहण के बाद सीएम हेमंत सोरेन पहुंचे प्रोजेक्ट भवन, चीफ सेक्रेट्री ने किया स्वागत

रांचीः मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सीएम हेमंत सोरेन प्रोजेक्ट भवन पहुंचे। प्रोजेक्ट भवन जाने के क्रम में सीएम ने मोरहाबादी स्थित सिद्धो-कान्हू और बिरसा चौक स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। प्रोजेक्ट भवन पहुंचने पर सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन का चीफ सेक्रेट्री अलका तिवारी, कैबिनेट सेक्रेट्री वंदना दादेल सहित अन्य आला अफसरों ने स्वागत किया। झारखंड सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के नेतृत्व में सचिवालय कर्मियों ने सीएम का स्वागत किया।

एक लाख 36 हजार करोड़ बकाया की वसूली के लिए विधिक कार्यवाही का फैसला

रांचीः सीएम हेमंत की पहली कैबिनेट में एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया की वसूली के लिए विधिक कार्यवाही शुरू किए जाने का फैसला लिया गया। राज्य की आय में बढ़ोत्तरी के लिए नये स्त्रोत, खनन क्षेत्र में लागू पुराने करों में वृद्धि एवं न्यायिक मामलों में लंबित वसूली में तीव्रता लाने के लिए वित्त विभाग में एक विशेष कोषांग का गठन किए जाने का निर्णय लिया गया।

परीक्षा कैलेंडर प्रकाशित किए जाने का निर्णयः कैबिनेट की बैठक में सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए जेपीएससी, जेएसएससी तथा अन्य प्राधिकार के लिए 01 जनवरी, 2025 के पूर्व परीक्षा कैलेंडर प्रकाशित किए जाने का निर्णय लिया गया। पुलिस नियुक्ति के लिए भविष्य में होने वाली परीक्षा प्रक्रिया की समीक्षा किए जाने का निर्णय लिया गया।

शहीदों के सम्मान व सहायता के लिए सरकार प्रतिबद्ध : हेमंत

चंदनकियारी के शहीद अग्निवीर के परिजन को मिला 10 लाख का चेक

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ देर बाद ही हेमंत सोरेन ने शहीदों को सम्मान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड के फतेहपुर गांव निवासी शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो की माता हुलासी देवी को अनुग्रह अनुदान राशि के रूप में 10 लाख रुपए का चेक सौंपा। इसके साथ ही शहीद अग्निवीर के भाई बलराम महतो को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन, विधायक उमाकांत रजक व शहीद की बहन लक्ष्मी कुमारी मौजूद थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शहीदों के साथ हर कदम पर खड़ी है। राज्य सरकार शहीदों के सम्मान और सहायता के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शहीद अर्जुन महतो के परिजनों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। कहा कि राज्य सरकार सैनिकों की तरह अग्निवीरों के भी शहीद होने पर उनके परिजनों को 10 लाख रुपए अनुग्रह राशि और एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने का नीतिगत निर्णय पहले ही ले चुकी है। ज्ञात हो कि चंदनकियारी प्रखंड के अग्निवीर अर्जुन महतो असम के सिलचर में तैनात थे। 21 नवंबर की देर रात उग्रवादियों के साथ हुए मुठभेड़ में वे शहीद हो गए थे।

दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

मेट्रो रेज

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल-4 में दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 28 नवंबर से 29 नवंबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के 21 अधिकारी प्रतिभागी के रूप में शामिल हो रहे हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एम/एस एएसके-ईएचएस द्वारा बी एस एल के प्रशिक्षित अधिकारी संकाय के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) एस सरतपे तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) डीआरटोप्पो उपस्थित रहीं। ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के एसके।डी। भौमिक, कनिय प्रबंधक ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की।मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) एस। सरतपे ने कार्यक्रम की औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई और संयंत्र में सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे इस प्रशिक्षण में अर्जित ज्ञान को अपने सहकर्मियों के साथ साझा करें और इसे अपने कार्यस्थल पर लागू करें। महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) डीआर टोप्पो ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को संयंत्र में सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और सयंत्र में सुरक्षा को निरंतर सशक्त बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटिव राकेश कुमार, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, और इंस्ट्रक्टर अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा। यह कार्यक्रम संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने और कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में फिट इंडिया प्रोग्राम का आयोजन

रांची: होटल प्रबंधन विभाग, आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची ने 29 नवंबर 2024 को फिट इंडिया प्रोग्राम का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम फिट इंडिया वीक के तहत आयोजित किया गया, जो कि 15 नवंबर से 31 दिसंबर 2024 तक भारत सरकार के युवा मामलों और खेल मंत्रालय के निदेर्शानुसार मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों में शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस मौके पर विभिन्न शारीरिक गतिविधियों, योग, फिटनेस वर्कशॉप और प्रेरक सत्रों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता ने स्वास्थ्य पर दिया जोरः होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ। पंकज चटर्जी ने फिट और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ही धन है और हर व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में फिटनेस को प्राथमिकता देनी चाहिए।

इस अवसर पर छात्रों और संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और संकल्प लिया कि वे फिटनेस को अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगे।

विश्वविद्यालय प्रबंधन ने दी शुभकामनाएंः आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ। एस। चटर्जी और कुलसचिव डॉ। अमित कुमार पांडे ने होटल प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित फिट इंडिया कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी। और इस तरह के प्रयासों को नियमित रूप से जारी रखने का आग्रह किया।

फिट इंडिया मूवमेंट का समर्थन : आरकेडीएफ विश्वविद्यालय का यह प्रयास भारत सरकार के ₹फिट इंडिया मूवमेंट₹ को समर्थन देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन एक प्रेरक संदेश के साथ हुआ, जिसमें सभी को फिट रहने और दूसरों को प्रेरित करने की अपील की गई। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में अंकित प्रकाश, शमीक चटर्जी और आलोक कुमार संकाय सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

मंजूनाथ भजंत्री ने संभाला उपायुक्त का पदभार,कहा-

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना प्राथमिकता

- वरुण रंजन ने सौंपा पदभार, दी शुभकामनाएं
- कमियों की समीक्षा कर एक्शन प्लान के तहत किया जाएगा कार्य : डीसी
- 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं मंजूनाथ भजंत्री

मेट्रो रेज

रांची: मंजूनाथ भजंत्री ने आज 29 नवंबर को उपायुक्त, रांची का पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय ब्लॉक-अ स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में वरुण रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे। मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

मौके पर वरुण रंजन ने उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने काफी कम समय में विधानसभा आम निर्वाचन चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने एवं अन्य कार्यक्रमों में समन्वय के साथ कार्य संपादित किए जाने पर सभी पदाधिकारियों/कर्मियों को धन्यवाद दिया।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना प्राथमिकता :पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने कहा जिला प्रशासन सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के स्तंभ पंचायत, प्रखंड अंचल कार्याल एवं पुलिस स्टेशन के पदाधिकारी/कर्मी ससमय कार्यालय आएं एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। श्री भजंत्री ने कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि आम जनता को कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने कहा कि कमियों की समीक्षा कर जिला प्रशासन एक्शन प्लान के तहत कार्य करेगा।

श्रद्धालुओं ने सुनी श्रीमद् भागवत कथा

रांची: नारी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष पूनम सिंह एवं छात्र क्लब हरे राम हरे कृष्ण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा की अध्यक्षता में काफी संख्या में चुटिया,पहाड़ीटोला,मधुकम,रातु,मेन रोड की महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने श्रीमद् भागवत कथा सुनी। यह कथा हरे कृष्णा हरे मार्ग लक्ष्मीनगर में प्रसिद्ध कथावाचक (मुंबई) के श्रीमान अचिंत्यचक्र दास द्वारा सुनाई जा रही है। इसके पूर्व नारी सेना एवं छात्र क्लब हरे राम हरे कृष्ण मंच के द्वारा संयुक्तरूप से श्रीमद् भागवत कथा वाचक अचिंत्यचक्र दास (मुंबई) एवं इनके म्यूजिकल टीम भजन गायिका अब्या सैनी (दुर्गा), रीना महली,आर्गन वादक लाली चरण दास,ढोल तबला वादक वीरेंद्र तिवारी जी को अंगवस्त्र एवं तलवार भेंटकर स्वागत किया गया।स्वागत करने वालों में दोनों संस्था की ओर से मुख्यरूप से कमला विश्वकर्मा,सूरज सिंह भवानी,अनुपमा सिंह,कुमारी कामिनी,शकुंतला देवी,सुलोचना देवी,गीता कुजूर,पिंकी कुमारी, छात्र क्लब ग्रुप की ओर से कुमारी शीला,अनिता एवं पूनम व अन्य मौजूद थे। मौके पर पूनम सिंह ने कहा ऐसे धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन से क्षेत्र मे भक्तिमय माहौल हो जाता है मैं श्रीमद् भागवत कथा आयोजन कमिटी के श्रीमान गोविंद दास,राम राज्य दास,रामचंद्र दास,पंकज लाल,ओमप्रकाश वर्णवाल,रामबली शर्मा,अरुणदेव प्रभु,सुजीत कुमार,रामरतन शर्मा,हरिशंकर शर्मा,सहित सभी श्रद्धालुओं को बधाई देती हूं वहीं शिव किशोर शर्मा ने कथा आयोजन कमेटी के प्रति आभार जताया।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

मेट्रो रेज

रांचीः एचएम पब्लिक स्कूल, चुटिया में आज भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। वर्गवार सभी क्लास के विजेता छात्र छात्रा निम्न रहेः जिसमें वर्ग 5 से दो प्रथम शिभम कुमार, स्वीटी कुमारी, दो द्वितीय हिमांशु मुंडा, कुणाल कोरियर, और तीन तृतीय मयंक कुमार और परी कुमारी, महेश्वर पातर मुंडा रहे।

वर्ग 6 से तीन प्रथम नीलम कुमारी, कुणाल कुमार, कृष्णा कुमार, तीन द्वितीय अराधना कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, आकाश कुमार महतो, दो तृतीय आकांक्षा कुमारी और नामल लाल रहे,

वर्ग 7 से प्रथम शिवांगी कुमारी, द्वितीय अर्चना कुमारी, और सिद्धि शर्मा, दो तृतीय गोलू कुमार यादव, राज नंदिनी कुमारी, वर्ग 8 के कृति देहरी और स्पंदन जाना,द्वितीय रीमा कुमारी,शुभम कुमार, आदित्य लोहानी तृतीय लावण्य कुमारी, सूरज शर्मा, सृष्टि कुमारी रहे।

वर्ग 9 से रोनित कुमार, प्रथम, आदर्श कुमार द्वितीय, शिवम मिश्रा और वैष्णवी कुमारी द्वितीय साक्षी कुमारी तृतीय हुए।

जबकि वर्ग 10 से प्रथम प्रियांशु कुमार गुप्ता,द्वितीय शैली कुमारी और तृतीय श्रेया कुमारी हुई।

वर्ग 5 से वर्ग दसवीं तक कुल प्रथम 10 छात्र, 14 द्वितीय छात्र और 12 तृतीय छात्र विजेता बने। आदर्श शिक्षक का पुरस्कार पूनम देवी, संयुक्ता कुमारी, कुमार कमलेश, रंजीत कुमार, सरिता एक्का, अंजली पालित सेन, अनामिका सिंह,पुनीत एक्का, सती सिन्हा, रवि प्रकाश, संगीता रानी, सुजाता देवी को मिला, एच एम पब्लिक स्कूल को आदर्श विद्यालय सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस सम्मान समारोह में भारतीय संस्कृति ज्ञान परिषद की ओर से असँख्या महतो, इंदुमती देवी सहित कई लोग शामिल थे।

नवनिर्वाचित विधायक दीपक बिरवा और निरल पूर्ति को दी जीत की बधाई

रांचीः आंदोलनकारी महासभा ने आज नवनिर्वाचित विधायक दीपक बिरवा और निरल पूर्ति को फूल माला देखकर जीत की बधाई दी । इस मौके पर दीपक बिरवान ने कहा के भाजपा के लोगों ने सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुए राज्य की जनता को बधाई देता हूं के जिन्होंने हमें प्रचंड बहुमत दिया मंत्रिमंडल में शामिल होने के बारे में पूछने पर कहा कि या मुख्यमंत्री का विशेष अधिकार है राज्य की जनता में खुशी और उत्साह की लहर है जो शपथ ग्रहण में देखने को मिला आंदोलनकारी महासभा के अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग करते हैं कि दीपक बिरवा को पहले की तरह मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए दीपक बिरवा राज्य की जनता की आवाज हैं सबको लेकर चलने वाले नेता हैं इसका परिणाम आप सब के सामने है इस मौके पर इसरार आलम विनीता खलखो को ऐरन कच्छप व अन्य उपस्थित थे।

कैलाश यादव ने चौथी बार सीएम बनने पर हेमंत सोरेन को पार्टी की ओर से दी बधाई

रांचीः प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने चौथी बार राज्य का मुख्यमंत्री बनने पर हेमंत सोरेन को पार्टी की ओर से बधाई दी है। साथ ही गोड्डा से नवनिर्वाचित कद्दावर विधायक संजय यादव को पार्टी कार्यालय में बुके देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। यादव ने कहा कि विधानसभा आम चुनाव 2024 में राजद ने शानदार प्रदर्शन किया है वर्षों से शांत बैठे राजद कार्यकर्ताओं में पूरे झारखंड में गजब का उत्साह पैदा हुआ है,निरंतर लोगो का पार्टी दफ्तर में लोगो का आना और लालू एवं तेजस्वी तथा राज्य के राजद नेताओं के प्रति आस्था और विश्वास दिखाना आगामी समय के लिए शुभ संकेत है !

अनुराग गुप्ता ने झारखंड डीजीपी का प्रभार किया ग्रहण

रांची : अनुराग गुप्ता ने आज शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर झारखंड डीजीपी का प्रभार ग्रहण किया। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार की रात सरकार ने एसीबी डीजी के पद पर पदस्थापित अनुराग गुप्ता को झारखंड डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया था। आईपीएस अनुराग गुप्ता झारखंड पुलिस में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं। वह गढ़वा व हजारीबाग एसपी और रांची के एसएसपी के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। इसके अलावा वह बोकारो रेंज के डीआईजी के पद पर लंबे समय तक काम कर चुके हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय में उन्हें लंबे समय तक एडीजी स्पेशल ब्रांच के पद पर काम करने का भी अनुभव है।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
समाज कल्याण शाखा (बाल-संरक्षण)

आम सूचना

बाल कल्याण समिति, कोडरमा के कार्यालय पत्रांक –625/बा0क0स0, दिनांक –26.11.2024 के आलोक में गुमशुदा बालक सलमान खान, उम्र–10 वर्ष, पिता–नन्हे खान, माता–मरियम खातुन पता– ईदगाह मैदान, थाना+पोस्ट+जिला–नामालूम को राजकिय रेल थाना, कोडरमा द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् बाल कल्याण समिति कोडरमा के निदेशानुसार उक्त बालक को जन जागरण केन्द्र, बरही, हजारीबाग में आवासित कराया गया है। बालक कि विवरणी निम्नवत् है :–

बालक का नाम:– सलमान खान,
माता–मरियम खातुन
पिता– नन्हे खान
पता– ईदगाह मैदान,
थाना+पोस्ट+जिला–नामालूम
उम्र–10 वर्ष, रंग–गोरा,
वजन–30 कि0ग्रा0, ऊँचाई–4'.5"

अतः उक्त बालक के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई जानकारी हो अथवा बालक के जैविक माता–पिता /विधिक संरक्षक/अभिभावक दावा हेतु उचित साक्ष्य के साथ बाल कल्याण समिति, कोडरमा/जिला बाल संरक्षण इकाई, समाहरणालय परिसर, कोडरमा झारखण्ड कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

संपर्क नं0:–
बाल कल्याण समिति, कोडरमा।
8340552130 / 9006640523 / 7061514121 / 7060720832 / 7717705479
जिला बाल संरक्षण इकाई, कोडरमा।
9234203438 / 9608145888 / 8210881013

ह0/–
जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 340669 Women, Child Development & Social Security(24-25).D

नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण प्रभावित रहेंगी ट्रेनें

रांचीःदक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के अंतर्गत नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नांकित ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

1। ट्रेन संख्या 13504/13503 बर्द्धमान - हटिया - बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 30/11/2024 से 05/12/2024 तक रद्द रहेगी

2। ट्रेन संख्या 08641/08642 आद्रा - बरकाकाना - आद्रा मेमू, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 से 05/12/2024 तक रद्द रहेगी।

3। ट्रेन संख्या 03597/03598 रांची- आसनसोल - रांची मेमू, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 से 05/12/2024 तक रद्द रहेगी`

4। ट्रेन संख्या 08695/08696 बोकारो स्टील सिटी -रांची -बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 से 05/12/2024 तक रद्द रहेगी।

5। ट्रेन संख्या 18601/18602 टाटानगर - हटिया - टाटानगर एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 से 05/12/2024 तक रद्द रहेगी।

6। ट्रेन संख्या 18085/18086 खड़गपुर -रांची -खड़गपुर मेमू एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 से 05/12/2024 तक रद्द रहेगी।

ट्रेनों का आंशिक समापन / आंशिक प्रारंभ :

1। ट्रेन संख्या 18035/18036 खड़गपुर - हटिया - खड़गपुर एक्सप्रेस का यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 से 05/12/2024 तक आद्रा स्टेशन पर आंशिक समापन एवं आद्रा स्टेशन से आंशिक प्रारंभ होगा। इन ट्रेनों का आद्रा - हटिया - आद्रा के बीच परिचालन रद्द रहेगा।

ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी :

1। ट्रेन संख्या 13352 आलप्पुझा - धनबाद एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 29/11/2024 को अपने निर्धारित मार्ग मुरी - कोटशीला - - बोकारो स्टील सिटी - चंद्रपुरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुरी- बरकाकाना - चंद्रपुरा होकर चलेगी`

2। ट्रेन संख्या 20898/20897 रांची - हावड़ा- रांची वंदे भारत एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024, 04/12/2024 एवं 05/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग मुरी- कोटशीला - पुरुलिया - चांडिल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुरी- गुण्डा बिहार- चांडिल होकर चलेगी।

3। ट्रेन संख्या 18628/18627 रांची -प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग मुरी-कोटशीला - पुरुलिया- चांडिल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुरी-गुण्डा बिहार-चांडिल होकर चलेगी।

4। ट्रेन संख्या 12366 रांची- पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग मुरी- कोटशीला- बोकारो स्टील सिटी - चंद्रपुरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुरी बरकाकाना -चंद्रपुरा होकर चलेगी।

5। ट्रेन संख्या 18428 आनंदविहार टर्मिनल - पूरी एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग राजाबेरा - बोकारो स्टील सिटी - कोटशीला - चांडिल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोमो - अनारा - पुरुलिया - चांडिल होकर चलेगी`

6। ट्रेन संख्या 13320 रांची - दुमका एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/12/2024 एवं 03/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग मूरी झ कोटशीला झ बोकारो स्टील सिटी झ चंद्रपुरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मूरी झ बरकाकाना झ चंद्रपुरा होकर चलेगी`

7। ट्रेन संख्या 12020 रांची झ हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 03/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग मुरी- कोटशीला- बोकारो स्टील सिटी झ चंद्रपुरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुरी- बरकाकाना - चंद्रपुरा होकर चलेगी`

8। ट्रेन संख्या 13319 दुमका - रांची एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 02/12/2024 से 05/12/2024 तक अपने निर्धारित मार्ग चंद्रपुरा- बोकारो स्टील सिटी- कोटशीला -मुरी के स्थान पर परिवर्तन मार्ग चंद्रपुरा - बरकाकाना - मुरी होकर चलेगी।

कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी

पत्रांक.1810 खूँटी, दिनांक.27.11.2024

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

घोषणा–पत्र

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, खूँटी अन्तर्गत सभी 19 वार्डों को ODF+ घोषित किया जाता है। उक्त के आलोक में यदि किन्ही को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो 15 दिनांक के अन्दर अपना आपत्ति/प्रतिक्रिया कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी में जमा कर सकते हैं। उक्त अवधि के उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति/प्रतिक्रिया कार्यालय द्वारा स्वीकर करना संभव नहीं हो सकेगा।

" आप करें सहयोग खूँटी शहर होगा स्वच्छ सुन्दर एवं साफ"

ह0/–
प्रशासक,
नगर पंचायत, खूँटी।

PR 340634 (Urban Development) 24-25 (D)

सुविचार

इंसान तो घर-घर पैदा होते हैं, लेकिन इंसानियत बस कहीं-कहीं ही जन्म लेती है।

जीएम मक्का का भयावह सच

आज भारत अपनी कृषि नीति के एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां हमारे नीति-निमार्ताओं पर जीएम मक्का के पैरोकारों द्वारा अलग अलग प्लेटफार्म के जरिये जीएम (जेनेटिकली मॉडिफाइड) मक्का को अपनाने का निरंतर दबाव डाला जा रहा है। जीएम मक्का के पैरोकारों के अनुसार, जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलें अपने देश की खाद्य सुरक्षा और कृषि चुनौतियों को बेहतर तरीके से हल कर सकती हैं। सतही तौर पर यह आकर्षक लग सकता है लेकिन गहराई से आकलन किया जाए तो ये तस्वीर उतनी लुभावनी नहीं है जैसी दिख रही है। पूरे विश्व में वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जीएम मक्के के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कल, मुझे चौंकाने वाली खबर पढ़ने को मिली, जिसमें बताया गया था कि ‌ह्लजीएम फ्री इंडिया ह्ल नामक संस्था के पर्यावरण कार्यकताओं ने तमिलनाडु में जीएम मक्का की अवैध खेती और देशभर में ₹प्रोसेस्ड और अनप्रोसेस्ड₹ मक्का उत्पादों में इसकी मौजूदगी को लेकर चिंता जताई है। उनका यह दावा ₹नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड्स टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट₹ (ठकाऋळएट) द्वारा की गई रिसर्च पर आधारित है। ₹साइंस डायरेक्टर₹ नामक प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में अळफ-ऋळकफ और ढउफ-आधारित विधियों का उपयोग कर मक्के में जीएम मक्का के अंश का पता लगाया गया। शोध में यह पाया गया कि उनके द्वारा परीक्षण किए गए 15% से अधिक नमूनों में ढउफ (ढङ्घ'टोर्१री ड्रॅल्ल पीं्३ङ्गल्ल) तकनीकों के माध्यम से जीएम लक्षण पाए गए। और तो और, उनमें से लगभग 20% नमूनों में जीएम मक्का के समान कार्यात्मक विशेषताएं मौजूद थीं। भारत में जीएम फसलों पर सख्त नियामक प्रतिबंधों के बावजूद, ऐसी खबरें ये दशार्ती हैं कि भारत में भी चोरी-छिपे जीएम फसलों का धड़ल्ले से प्रवेश हो रहा है। अब इसका कारण चाहे अवैध रूप से जीएम मक्के का आयात हो या प्रयोगात्मक परीक्षणों में लीक हो, दोनों सूरतों में जीएम मक्के का भारत के बाजार में ऐसे प्रवेश एक जबरदस्त खतरे की घंटी है। कई पर्यावरण कार्यकताओं और ₹जीएम फ्री इंडिया₹ जैसे संगठनों ने इस विषय पर गंभीर चिंता व्यक्त की है तथा इसे हमारे देश के लिए एक गंभीर नियामक चूक बताया है। हमें ये समझना पड़ेगा कि यह सिर्फ नियम तोड़ने का ही मामला नहीं है; बल्कि यह हमारे नागरिकों के स्वास्थ्य, किसानों के भविष्य, और हमारी पारिस्थितिकी और भूमि की उर्वरता के लिए एक खिलवाड़ जैसा है जिसका खामियाजा हमारी कई पीढ़ियों को भुगतना पड़ सकता है। इसके अलावा, जीएम मक्का की शुरूआत भारत की विविध स्वदेशी मक्का किस्मों के लिए खतरे का कारण बनती है, जिससे परागण और आनुवंशिक संदूषण का जोखिम उत्पन्न होता है। इससे आनुवंशिक विविधता में कमी आएगी, जिससे फसलें जलवायु परिवर्तन और बीमारियों के प्रति कम लचीली होंगी। इस घटनाक्रम में सबके लिए एक सीख है और अब ये जरूरत है कि भारत की कृषि विरासत और खाद्य प्रणालियों की रक्षा के लिए जीएम मक्का के खिलाफ विज्ञान-आधारित नीतियों को और प्रभावी बनाये जिससे भविष्य में इस तरह की स्थिति ना पैदा हो। भारत कृषि प्रधान देश है जहाँ कृषि अधिकांशतः छोटे और सीमांत किसानों पर निर्भर है। हमारे देश में मक्के की ऐसी कई देशज किस्में उपजाई जाती हैं, जिसके लिए परंपरागत तरीके का उपयोग करते हैं और उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर निर्भर नहीं रहना होता। कई पर्यावरणविद् ऐसी आशंका जता रहे हैं कि जीएम मक्के के आने यह संतुलन बिगड़ जाएगा, क्योंकि जीएम फसलें विदेशी कंपनियों द्वारा पेटेंट की गए बीजों पर निर्भर हैं। अगर किसान जीएम मक्का उपजाने लगे तो उन्हें को हर साल इन्हीं गिनी चुनी कंपनियों से महंगे बीज खरीदने के मजबूर होना पड़ेगा जिससे उनकी कृषि लागत बढ़ने के साथ-साथ उनकी इन कंपनियों पर निर्भरता भी बढ़ेगी। जो किसान मक्का की उपज को अपनी आर्थिक उन्नति का जरिया समझ रहें हैं वो बेचारे ऐसी स्थिति में कहाँ जायेंगे, ये सोचनीय विषय है। जीएम मक्का के गुणों की बात की जाए तो इसे जेनेटिक रूप से ऐसे संशोधित किया जाता है जो इन्हें कीटनाशकों और हर्बिसाइड्स, जैसे ग्लाइफोसेट, के प्रति सहिष्णु बनाता है। हालांकि इन तकनीकों से कीट और खरपतवार नियंत्रण का दावा तो किया जाता है, लेकिन इससे स्वास्थ्य सम्बन्धी रोगों और पर्यावरणीय जोखिम की संभावना बढ़ जाती है। कई अध्ययनों ने जीएम फसलों को एलर्जी, पर्यावरणीय असंतुलन और कैंसर जैसी बीमारियों से जोड़ा है। ग्लाइफोसेट का उपयोग माइक्रोबियल प्रतिरोध और विषाक्तता को बढ़ा सकता है। अतः हानिकारक कीटों के साथ साथ इससे मधुमक्खियों जैसे लाभकारी कीट भी प्रभावित होते हैं, जिससे पारिस्थितिकी और जैव विविधता में असंतुलन पैदा हो सकता है। भारत में बीटी कपास के उत्पादन के कड़वे अनुभव से ये साबित हो गया है कि ये फसलें अक्सर अपने अनुमान के मुताबिक पैदावार नहीं बढ़ा पातीं और किसानों को आर्थिक परेशानियों में डाल देती हैं। आज के समय में वैश्विक स्तर पर, खासकर यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों में उपभोक्ताओं द्वारा जीएम-मुक्त खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ रही है। कई देश पुख्ता सबूतों के साथ ऐसा दावा करते हैं कि गैर-जीएम कृषि को प्राथमिकता देना न केवल व्यावहारिक कदम है, बल्कि यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और आर्थिक उत्थान के लिए भी फायदेमंद है। उदाहरण के तौर पर यूरोपीय संघ (एव) में, कुल मक्का उत्पादन का 99% से अधिक हिस्सा जीएम-मुक्त मक्के का है। ये जीएम फसलों को अपने देश में सख्त नियामक प्रणाली से नियंत्रित करते हैं। एक डाटा के अनुसार सन 2023 में यूरोपीय संघ में लगभग 61.4 मिलियन टन जीएम-रहित मक्का उत्पादन हुआ। इसी तरह, ब्राजील ने जीएम-रहित मक्का और सोयाबीन के निर्यात-बाजार में अपनी स्थिति मजबूत की है। अगर इन देशों ने बिना जीएम बीजों को अपनाये हुए मक्के की उपज बढ़ा सकते हैं तो भारत क्यों नहीं। जीएम मक्का को अपनाना इन उपभोक्ताओं को निराश और मक्के के उपयोग से दूर कर सकता है, जो भारत की सतत कृषि की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। कई पर्यावरणविदों और कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को खाद्य सुरक्षा के लिए जीएम मक्का की आवश्यकता कतई नहीं है। आधुनिक प्रजनन तकनीकें मक्के के सुरक्षित और प्रभावी विकल्प प्रदान करती हैं। बिना किसी खतरे के उच्च उत्पादन, कीट प्रतिरोधी और सूखा-सहिष्णु मक्के की फसलें विकसित करने के लिए लम्बे समय से इन विधियों का उपयोग किया जाता रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान संस्थानों को ऐसी टिकाऊ फसलें विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए, जो भारत की कृषि स्थितियों के लिए उपयुक्त हों। इसके साथ ही, जीएम फसलों की अवैध खेती और आयात को रोकने के लिए मजबूत निगरानी तंत्र की आवश्यकता है। नियमित परीक्षण, सख्त जैव-सुरक्षा प्रवर्तन और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे इस तरह की स्थिति पुनः पैदा ना हो। तमिलनाडु में जीएम मक्का की अवैध खेती, हमारी सरकार, हमारे किसान और उपभोक्ताओं के लिए गंभीर चेतावनी है। अतः भारत को अपनी कृषि नीति में सतत और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने चाहिए।

शीतकाल में जहां कर सकते हैं चारधाम दर्शन

शीतकाल में यात्रियों का चारधाम की ओर जाना कम हो जाएगा। वहीं, अब बाबा केदार की पंचमुख डोली ऊखीमठ पहुंचेगी जहां श्रद्धालुओं को दर्शन देगी। बद्री-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि इस यात्राकाल के दौरान 16 लाख से अधिक यात्री श्री केदारधाम के दर्शन को पहुंचे जो अपने आप में रिकार्ड हैं। शीतकाल में यात्रियों का चारधाम की ओर जाना कम हो जाएगा। वहीं, अब बाबा केदार की पंचमुख डोली ऊखीमठ पहुंचेगी जहां श्रद्धालुओं को दर्शन देगी।

राम प्रताप मिश्र साकेती

नैसर्गिक सौंदर्य से भरपूर उत्तराखंड पर्यटकों, श्रद्धालुओं और तीर्थाटन करने वालों का पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत करता है। इस देवभूमि में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। चाहे धार्मिक पर्यटन हो, ऐतिहासिक पर्यटन हो, साहसिक पर्यटन हो या देवभूमि के विभिन्न स्थलों में आनंद उठाने का मौका। यहां की नदियां पूरे देश के पर्यटकों को राफ्टिंग जैसे साहसिक खेलों के लिए सदैव आमंत्रण देती हैं। मसूरी, नैनीताल जैसे पर्यटक स्थल जहां ग्रीष्म ऋतुएं लोगों को तपन से राहत देते हैं, वहीं पर्यटक शरद ऋतु में भी यहां आकर प्राकृतिक दृश्यों का अवलोकन कर अपने को धन्य पाते हैं। नैनीताल, चोपता, चकराता, कौसानी, औली जैसे अनेक सुरम्य स्थल हैं जहां शीतकाल में भारी बर्फबारी का आनंद लेने पर्यटक पहुंचते हैं। उत्तराखंड के चारधाम ग्रीष्म ऋतु में ही लोगों की आस्था का केंद्र बनते हैं। देशी-विदेशी लाखों लोग प्रतिवर्ष आस्था के इन केंद्रों पर उपस्थिति दर्ज कराते हैं। अब जब शरद ऋतु आ गई है तो देवभूमि के इन मंदिरों की पूजा उन चारधामों से हटकर मैदानी क्षेत्रों में होती है जो अपेक्षाकृत कम ऊंचाई पर है। ऐसे में जो लोग ग्रीष्म ऋतु में इन चारधामों के दर्शन नहीं कर पाए हैं वह शरद ऋतु में भी इन धामों के दर्शन कर सकते हैं।

शीतकाल में यात्रियों का चारधाम की ओर जाना कम हो जाएगा। वहीं, अब बाबा केदार की पंचमुख डोली ऊखीमठ पहुंचेगी जहां श्रद्धालुओं को दर्शन देगी। बद्री-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि इस यात्राकाल के दौरान 16 लाख से अधिक यात्री श्री केदारधाम के दर्शन को पहुंचे जो अपने आप में रिकार्ड हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्यों के अनुरूप केदारपुरी का भव्य पुनर्निर्माण हो रहा है। इस सफल यात्रा का श्रेय अजेंद्र अजय ने बद्री-केदार मंदिर समिति के कार्मिकों, पुलिस प्रशासन तथा व्यवस्था से जुड़े विभागों को दिया है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है। 16 लाख भक्तों का उत्तराखंड पहुंचना इस बात का प्रतीक है कि कहीं न कहीं चारधामों की व्यवस्था पहले से और अधिक मजबूत हुई है। चार धामों के कपाट बंद होना सामान्य व्यवस्था है जो अनादिकाल से चली आ रही है। जगतगुरु शंकरचार्य द्वारा स्थापित इन धामों की व्यवस्था सदियों से ऐसे ही चलती आई है। इस व्यवस्था के बनाने के पीछे मौसम का बदलना भी है। अब ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर प्रारंभ हो जाएगा। इसीलिए यह व्यवस्था हिमालय के बदलते मौसम ओर मिजाज के चलते बनाई गई है। उत्तराखण्ड में स्थित सभी चार धामों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के अलावा देवभूमि में स्थित हेमकुंड साहिब, मद महेश्वर, वैकुंठ भैरवनाथ, डोडिताल की अन्नपूर्णा मंदिर, तुंगनाथ जी, त्रिजुगीनारायण, कल्पेश्वर, रुद्रनाथ जी सहित अन्य जो भी आस्था के केंद्र हैं वह सबके सब समुद्रतल से अच्छी खासी ऊंचाई पर हैं। यह ऊंचाई 3000 मीटर और उससे अधिक ऊंची है। शीतकाल में बर्फबारी के चलते इन आस्था के स्थलों तक तक पहुंचना आम आदमी के वश में नहीं है। हां, वह लोग जो विलक्षण हैं, साधु हैं या मानवेत्तर हैं, वह इस समय भी उन क्षेत्रों में निवास करते हैं। इसलिए आस्था और धर्म के प्रति आस्था बनी रहे और तीर्थों की पूजा-अर्चना होती रहे। माना जाता है कि इन दिनों मंदिरों की पूजा का काम देव ऋषि नारद का है। इन मंदिरों में दीया-बाती जलती रहे, आस्था की लौ कभी बुझे नहीं इसलिए इन धामों में अखण्ड दीप जलाए जाते हैं जो 6 महीने बाद कपाट खुलने पर भी जलते रहते हैं। बिना देखरेख इन धामों में दीपक की लौ जलती रहती है। यही कारण है कि नैसर्गिक सुंदरता से आच्छादित इस प्रदेश को देवभूमि नाम दिया गया है। विपरीत मौसम के चलते लोगों को इन तीर्थों के दर्शन दुर्लभ हो जाते हैं। इसलिए आस्था के द्वार पर श्रद्धालुओं का आना-जाना वर्षभर बना रहता है तो इस आस्था और विश्वास के लिए दर्शनों की अलग से व्यवस्था बनाई गई है। ऊंचाई वाले स्थानों के देवधामों के देवी-देवता शीतकालीन गद्दी पर आ जाते हैं और वहीं उनकी पूजा-अर्चना होती है। मां यमुना जी की भोग मूर्ति के दर्शन 6 महीनों तक खरसाली में किए जाते हैं। इसी प्रकार मां गंगाजी के दर्शन गंगोत्री के बजाय मुखवा के गंगा मंदिर में किए जाते हैं जहां मां गंगाजी विराजमान होती हैं। ठीक इसी तरह बाबा केदारनाथ जी के दर्शन ऊखीमठ के केदार मंदिर और भगवान बद्रीश बद्रीनाथ जी के दर्शन जोशीमठ में करने की व्यवस्था है। शंकराचार्य द्वारा बनाई गई व्यवस्था के अनुसार इन सभी चारधामों के दर्शन निरंतर होते हैं और कपाट कभी बंद नहीं होते हैं बल्कि दर्शनों की व्यवस्था ओर स्थान बदल दिए जाते हैं ताकि श्रद्धालु वर्षभर इन तीर्थों के दर्शन करने का लाभ लेते रहें। पूजा-अर्चना और दर्शनों की व्यवस्था ओर परंपरा में कोई अंतर नहीं है। भेद है तो सिर्फ स्थल ओर जगह बदलने का। ये व्यवस्था और परंपरा आज से नहीं अनादिकाल से बदस्तूर जारी है। भारतीय परंपरा और व्यवस्था के तहत मौसम के अनुसार इन मंदिरों का स्थान बदल जाता है लेकिन दर्शन की परंपरा निरंतर बनी रहती है। इसके पीछे जहां धार्मिक पर्यटन की निरंतरता है, वहीं इन चार धामों की विशिष्टता भी है। कई बार श्रद्धालु और पर्यटक शीतकालीन ऋतु का आनंद लेने और बर्फबारी देखने इन क्षेत्रों में पहुंचते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों का यही स्वरूप अनादिकाल से लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा है।

लोकतंत्र और इस्लामी मूल्यों के खिलाफ है वैश्विक खिलाफत की अवधारणा

हिज्ब-उत-तहरीर का मुख्य उद्देश्य इस्लामिक खिलाफत स्थापित करना है, जो भारत के संविधान और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। हिज्ब-उत-तहरीर ने भारत में बहुत अधिक खुले तौर पर गतिविधियां नहीं की हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह गुप्त रूप से भारत में सक्रिय है। संगठन के सदस्यों पर भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और खिलाफत की विचारधारा का आरोप लगा है।

गौतम चौधरी

वैश्विक खिलाफत की काल्पनिक अवधारणा उसी प्रकार गैर वाजिब है, जैसे पुरातनपंथी हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा। यह दोनों अवधारणा काल्पनिक है और आधुनिक लोकतांत्रिक विश्व में इसका कोई स्थान नहीं है। दरअसल, आज इस बात की चर्चा इसलिए जरूरी है कि दुनिया के कुछ इस्लामिक चरमपंथियों ने एक बार फिर वैश्विक खिलाफत की बात प्रारंभ की है। विगत कुछ वर्षों में भारत सहित दक्षिण एशिया के कई देशों में इस विचार से प्रेरित युवकों को असामाजिक व गैर राष्ट्रवादी गतिविधियों में संलिप्त देखा गया। हाल के वर्षों में हिज्ब उत-तहरीर की गतिविधियों को लेकर भारत में चिंता बढ़ी है। पहले तो हमें हिज्ब उत-तहरीर को समझना होगा। यह एक अंतरराष्ट्रीय इस्लामिक संगठन है, जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत को पुनर्स्थापित करना है। इसका नाम अरबी में ह्यह्यहिज्ब-उत-तहरीरह्लह्ल है, जिसका अर्थ है- ह्यह्यमुक्ति की पार्टीह्लह्ल वर्ष 1953 में एक फिलिस्तीनी इस्लामिक चरमपंथी उकीउद्दीन नबहानी ने जेरूसलम में इसकी स्थापना की थी। हिज्ब-उत-तहरीर का दावा है कि वह राजनीतिक, बौद्धिक और वैचारिक तरीकों से काम करता है और हिंसा में कोई विश्वास नहीं करता लेकिन इसके कार्यकर्ता दुनिया के लगभग 50 देशों में हिंसक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। यहां तक कि कई इस्लामिक देशों में भी यह संगठन वहां की सत्ता के लिए चुनौती बना हुआ है। संगठन का मानना है कि मुसलमानों को एक खलीफा के नेतृत्व में एकजुट होना चाहिए, जो शरियत कानून के अनुसार शासन करे। इसका मुख्य उद्देश्य एक वैश्विक इस्लामी खिलाफत की स्थापना है, जो मुसलमानों की राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार नियंत्रित करे। वस्तुतः इस संगठन का दावा और हकीकत दोनों एक-दूसरे के विपरीत हैं। यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के मुताबिक, ये संगठन गैर-सैन्य तरीकों से खिलाफत की पुनर्स्थापना पर काम करता है। इसलिए कई देश, इस संगठन पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। हिज्ब-उत-तहरीर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों में बांग्लादेश और चीन के अलावा जर्मनी, रूस, इंडोनेशिया, लेबनान, यमन, तुर्की और संयुक?त अरब अमीरात शामिल हैं। दुनिया के अन्य कई देश इस संगठन की निगरानी कर रहे हैं क्योंकि वहां की राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी यह चुनौती पैदा करने लगा है। इसके बावजूद, यह संगठन दुनिया के 50 से अधिक देशों में सक्रिय है। 10 लाख से अधिक इसके सक्रिय सदस्यों की संख्या बतायी जाती है। हिज्ब-उत-तहरीर का भारत में बहुत व्यापक आधार नहीं है लेकिन हाल के वर्षों में इसके प्रभाव और गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है।

हिज्ब-उत-तहरीर का मुख्य उद्देश्य इस्लामिक खिलाफत स्थापित करना है, जो भारत के संविधान और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। हिज्ब-उत-तहरीर ने भारत में बहुत अधिक खुले तौर पर गतिविधियां नहीं की हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह गुप्त रूप से भारत में सक्रिय है। संगठन के सदस्यों पर भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और खिलाफत की विचारधारा का आरोप लगा है। भारत में सुरक्षा एजेंसियां इस संगठन पर नजर रखी है और इसके संभावित नेटवर्क को रोकने के प्रयास करती है। इस क्रम में भारत सरकार ने हाल ही में इस कट्टरपंथी समूह को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इसपर प्रतिबंध के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर का लक्ष्य लोकतांत्रिक सरकार को जिहाद के माध्यम से हटाकर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक देश और खिलाफत स्थापित करना है। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर हिज्ब-उत-तहरीर को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने के साथ, यह समझना महत्वपूर्ण है कि न केवल इसकी गतिविधियां भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, बल्कि यह मूल इस्लामिक सिद्धांतों के खिलाफ भी है। इससे भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए दोहरी दुविधा पैदा होती है। भारत का संविधान धर्म और राज्य के मामलों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखते हुए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को सुनिश्चित करता है। यह अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतंत्र, मतदान और मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करता है। हिज्ब-उत-तहरीर के सदस्यों की हरकतें, जिनमें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी के खिलाफ प्रचार करना, संविधान को चुनौती देना और शरिया कानून द्वारा शासित वैकल्पिक राज्यों को बढ़ावा देना शामिल है, जो अंततोगत्वा देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को खतरे में डालेगा। लोकतंत्र के प्रति हिज्ब-उत-तहरीर का वैचारिक विरोध खुद को उन मूल सिद्धांतों के खिलाफ खड़ा करता है, जिन्होंने मुसलमानों सहित विभिन्न समुदायों को भारत में शांतिपूर्वक सहअस्तित्व की अनुमति दी है। संविधान विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देकर संगठन न केवल मुसलमानों और बहुसंख्यक समाज के बीच दरार पैदा करता है, बल्कि अलगाववादी रवैये को भी बढ़ावा देता है, जो इस्लाम के सामाजिक सामंजस्य सिद्धांत के खिलाफ है। हिज्ब-उत-तहरीर की गतिविधियां इस्लामिक शिक्षाओं का भी खंडन करती है। इस्लामिक चिंतकों के अनुसार, इस्लाम एक आस्था के तौर पर अराजकता से बचने को महत्व देता है। इस्लामिक राजनीतिक विचार में एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि किसी भी वैध इस्लामिक शासन को एक वैध प्रक्रिया के माध्यम से बदला जा सकता है, विशेष रूप से व्यापक सामुदायिक समर्थन वाले मुस्लिम शासक के नेतृत्व में ही यह संभव है। अराजकता के माध्यम से शासन बदला जाना इस्लामिक राजनीतिक सिद्धांत के खिलाफ है। इस्लाम के पवित्र ग्रंथ में इसके बारे में साफ चेतावनी दी गयी है। साफ तौर पर कहा गया है कि इस्लामी राज्य के लिए अनाधिकृत आह्वान के जरिए फूट को बढ़ावा देने के बजाए स्थापित प्राधिकरण के जरिए एकता और न्याय को बनाए रखना ही बेहतर है। वास्तव में दुनियाभर के इस्लामी विद्वानों ने नेतृत्वहीन आन्दोलन के खिलाफ चेतावनी दी है जो अशांति भड़का कर व्यवस्था बदलने की कोशिश करते हैं। हिज्ब-उत-तहरीर की तरह ये आन्दोलन न केवल समुदाय के हितों को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि सामाजिक शांति और सद्भाव प्राप्त करने के व्यापक इस्लामिक उद्देश्य के भी विपरीत हैं। हिज्ब-उत-तहरीर की वकालत के सबसे चिंताजनक पहलुओं में से एक मुस्लिम युवाओं पर इसका प्रभाव है, जो अक्सर अपने कार्यों के परिणामों को पूरी तरह से समझे बिना काल्पनिक इस्लामिक राज्य के वादे से बहक जाते हैं। हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा से प्रभावित कई युवा मुस्लिम ऐसी गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं, जो भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार किया जाता है और लंबे समय तक जेलों में रहना पड़ता है। ये युवा, समाज के योगदानकर्ता सदस्य बनने के बजाय घोषित अपराधी बन जाते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नौकरी मिलने में आ रही है रुकावट तो करें हनुमान चालीसा का पाठ

पढ़ाई के बाद एक सही नौकरी ढूंढना सबसे मुश्किल काम होता है और आज के समय में युवाओं के लिए नौकरी की तलाश करना परेशानी का सबब होता है। कई बार बहुत मेहनत करने पर भी जब हर जगह इंटरव्यू में असफलता मिलने लगती है तो व्यक्ति हताश और निराश हो जाता है। ऐसे में व्यक्ति को समझ नहीं आता है कि इतनी मेहनत के बावजूद भी सफलता क्यों नहीं मिल पा रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र कहता है कि आपका कर्म करना जितना आवश्यक होता है उतनी ही आवश्यक भाग्य का साथ देना भी होता है। यदि आपकी नौकरी में बार-बार बाधाएं आ रही हैं और एक सही नौकरी नहीं मिल पा रही है तो आप कुछ उपायों को कर सकते हैं। मान्यता है कि सही दिशा में प्रयास करने के साथ ही यदि ये उपाय भी किए जाएं तो आपकी नौकरी संबंधित समस्याओं का अंत होता है।

इंटरव्यू पर जाने से पहले करें हनुमान चालीसा का पाठ

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि यदि आप इंटरव्यू देने जाते हैं और हर बार असफल हो जाते हैं तो ये उपाय आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। जिस दिन आपको इंटरव्यू के लिए जाना हो उससे पहले एक नींबू और लौंग लेकर किसी हनुमान मंदिर में जाएं, अब चार लौंग लेकर नींबू में चारो ओर गाढ़ दें। इसके बाद इस नींबू को हाथ में लेकर हनुमान जी की प्रतिमा के सामने 'ऊं श्री हनुमंते नमः' इस मंत्र का 108 बार जाप करें। इसके बाद यह नींबू हनुमान जी के चरणों से स्पर्श करवाकर इसे अपने साथ वापस ले आएं और जब आपको इंटरव्यू देने जाना हो तो इसे साथ ले जाएं। नौकरी प्राप्ति के लिए यह उपाय अचूक माना जाता है। यदि नौकरी में बाधाएं बनी हुई हैं तो प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करना भी लाभप्रद रहता है इससे आपके कार्यों में आने वाली सभी बाधाएं दूर होती हैं।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि यदि आप नौकरी की तलाश में हैं और आपको अपने अनुरूप नौकरी नहीं मिल पा रही है या फिर नौकरी मिलने में बाधाएं आ रही हैं तो सोमवार के दिन व्रत रखना चाहिए और किसी शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर अभिषेक करने के साथ ही अक्षत अर्पित करने चाहिए लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि चावल टूटे हुए नहीं होने चाहिए। नौकरी के लिए ये उपाय बहुत कारगर माना जाता है।

शनिदेव की आराधना

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि यदि आपके कार्यों और नौकरी में बाधाएं बनी हुई हैं और लगातार प्रयास करने पर भी बार-बार असफलता हाथ लग रही है तो आपको शनिदेव का पूजन करना चाहिए। प्रत्येक शनिवार को शनिदेव के लिए सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए और 'ऊं शं शनैश्चराय नमः' का कम से कम 108 बार जाप अवश्य करना चाहिए।

सेहत

विंटर में ड्राई स्किन से पाएं छुटकारा

सर्दी का सीजन चल रहा है। इस दौरान फेस्टिव, शादियों का सीजन में शामिल होने और विंटर वैकेशन पर जाने का समय होता है। इस दौरान त्वचा की देखभाल करना काफी जरुरी होता है। वैसे तो सर्दियों में आराम करना अच्छा लगता है, इसके साथ ही त्वचा और बालों की समस्याएं। ठंड के मौसम में ड्राई स्किन की समस्या ज्यादातर लोगों को होती है। ठंडी हवाओं के कारण स्किन से नमी छीन जाती है। जिससे यह ड्राई दिखने लगती है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों में स्किन ड्राई से कैसे बचें। सर्दियों में जितनी देर तक गर्म पानी में स्नान करना काफी मजेदार तो लगता है, लेकिन यह आपकी त्वचा की नमी और आवश्यक तेल को छीन लेता है। इससे अधिक नुकसान भी हो सकता है। आप ठंड के दौरान थोड़े समय के लिए स्नान करें और हमेशा गुनगुने पानी से नहाएं। ध्यान रखें कि सौम्य साबुन का ही प्रयोग करें जो त्वचा में नमी बनाएं रखें। नारियल का तेल उपयोग करने से त्वचा में नमी बनी रहती है। नहाने के बाद आप स्किन को सॉफ्ट और मॉइस्चराइजिंग बनाने के लिए नारियल का तेल जरुर लगाएं। नारियल का तेल दो बार लगाएं एक दिन नहाने के बाद और रात में सोने से पहले। सर्दियों में दूध और शहद किसी चमत्कार से कम नहीं है। इसके प्रयोग से त्वचा को कोमलता से एक्सफोलिएट और मॉइस्चराइज करने के लिए संयोजित किया जा सकता है। हनी और मिल्क के फेस मास्क से यूज से स्किन कोमल और मुलायम बनती है। सर्दियों में स्किन की जलन शांत करने और चेहरे पर नमी लाने के लिए आप हल्के गर्म पानी में स्नान करने से पहली ओट्स को पीसकर बॉडी पर लगा लें। ओटमील एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है जो सूखेपन के कारण होने वाली खुजली और लालिमा को काफी हद तक कम कर सकता है। इसके बाद इसे पानी से धो लें और बाद में हल्का मॉइस्चराइजर जरुर लगाएं। आप चाहे तो गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर एक नेचुरल टोनर बना सकते हैं। इसे आप रात को स्किन पर लगा सकते है।

देव कुमार

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

पैसे हड़पने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग

साहिबगंज:जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के चानन छोटा लोहंडा निवासी लक्ष्मी कुमारी ने अपने पति वीरकुमार मुंडा पर जमीन बेच कर 30 लाख रुपया हड़प लेने का आरोप लगाते हुए जिरवाबाड़ी थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग कि हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में मेरा पति वीरकुमार मेरा पैतृक जमीन बेच कर 30 लाख रुपया गबन कर लिया और इसका विरोध करने पर अपने सहयोगियों के साथ मेरा हाथ काट दिया था। बताया कि बीते 26 नवंबर को मेरा ससुर नरेश मुंडा व उसके स्वजन व अन्य लोग घर आकर कैस उठाने की धमकी देने लगे । साथ ही मेरे भाई लक्ष्मण मुंडा के साथ भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर कर चले गए । वहीं जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बेटे ने मां पर किया हमला,घायल

साहिबगंज:जिरवाबाड़ी क्षेत्र के छोटा पंचगढ़ झंडा मेला निवासी उर्मिला देवी उम्र 70 वर्ष को उसके ही छोटे बेटे ने सिर पर डंडा से मारकर घायल कर दिया। घायल उर्मिला और उसके बड़े बेटे ने जिरवाबाड़ी पुलिस से शिकायत किया। घायल उर्मिला देवी ने बताया कि घर में हिस्सा बटवारा को लेकर हमेशा से विवाद होते रहा है। जिसको जितना हो सका सबको सब कुछ दिया। छोटा बेटा हीरालाल मंडल कि पत्नी मेरे साथ हमेशा झगड़ती है। और मुझे डायन कहती है। मैं अपना काम कर रही थी।तभी मेरा छोटा बेटा हीरालाल आया और मुझसे झगड़ा करने लगा और मेरे सिर पर लाठी से वार कर दिया जिससे मेरा सिर फट गया ।बड़ा बेटा ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया।इधर जिरवाबाड़ी पुलिस मामले कि छानबीन कर रही हैं।

घरेलू विवाद में मारपीट

साहिबगंज:जिरवाबाड़ी क्षेत्र के सकरीगली आश्रम गांव में घरेलू विवाद में दो भाईयों सुनील चौधरी एवं अजय चौधरी में मारपीट हो गई। घायल सुनील ने बताया कि मेरी बहन की शादी रमेश सिंह के साथ कुछ वर्षों पहले हुई थी। ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते थे जिसके बाद अपनी बहन को अपने पास लेकर आ गए। बहन के उसके ससुराल वालों के पास कुछ काम के लिए गया था। लेकिन उन लोगों ने हम लोगों के साथ मारपीट किया। इधर जिरवाबाड़ी पुलिस मामले छानबीन कर रही है।

सीआरएम ने अपनी अलग- अलग टीम बनाकर वार्डों का लिया जायजा

साहिबगंज: सेंट्रल रिव्यू मिशन सीआरएम की 20 सदस्यीय टीम बुधवार की शाम 7:00 बजे सदर अस्पताल पहुंची। जहां सीआरएम टीम ने अपनी अलग अलग टीम बनाकर अलग अलग वार्डों का जायजा लिया।प्रथम टीम ने सदर अस्पताल के ऊपरी तल्ला स्थित महिला वार्ड का जायजा लिया साथ ही भर्ती मरीजों से पूछताछ कर जानकारी इकट्ठा किया। वहीं दूसरी टीम प्रसव कक्ष का जायजा लिया साथ ही मेंटेन किए गए रजिस्टर का अवलोकन भी किया गया। इसके अलावा तीसरी टीम ने ब्लड बैंक जाकर जांच पड़ताल की और रजिस्टर की गई एंट्री की जांच पड़ताल की तो वहीं चौथी टीम ने दवा भंडार वार्ड की जांच करने पहुंचे। पांचवीं टीम एसएनसीयू वार्ड में जाकर स्वास्थ्य कर्मी से पूछताछ किया। सीआरएम कि टीम ने पूरे सदर अस्पताल के हर वार्ड का एक-एक कर जायजा लिया पर कई स्वास्थ्य कर्मियों से पूछताछ कर जानकारी भी इकट्ठा की।

लोजपा का 25वां स्थापना दिवस मना

साहिबगंज: लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान की बनाई हुई पार्टी का 25 वा स्थापना दिवस साहिबगंज जिला कार्यालय गुल्ली भट्ठा में जिला अध्यक्ष प्रदीप पासवान के नेतृत्व में मनाई गई।जहां कार्यकताओं ने केक काटकर पार्टी के नीति और सिद्धांत के बारे में चर्चा किया।साथ ही झारखंड में चतरा विधानसभा से लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रत्याशी जनार्दन पासवान को इस बड़ी जीत के लिए लोक जनशक्ति पार्टी के तमाम पदाधिकारी व कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिला करके खुशी का इजहार किया।पार्टी के नगर अध्यक्ष नितेश कुमार गुप्ता ने कहा कि बिहार ही नहीं अब झारखंड में भी हमारी पार्टी पूरी निष्ठापूर्वक काम किया है। और जीता है उसके लिए हमारे प्रदेश से नेतृत्व को भी बधाई देता हूं और शुभकामनाएं देता हूं।मौके पर लोजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप पासवान नगर अध्यक्ष,नितेश गुप्ता,महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव रीता पासवान,महिला मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रचना देवी,आईटी सेल के जिला अध्यक्ष विकास स्वर्णकार,जिला सचिव अनिल प्रमाणिक किसान मोर्चा के जिला सचिव विंध्याचल निषाद व लोजपा रामविलास के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दीपिका पांडेय को मंत्री बनाने की मांग

साहिबगंज: झारखण्ड युवा कांग्रेस के संयोजक सह महगामा विधानसभा प्रभारी संतोष स्वर्णकार ने कांग्रेस आला कमान से महगामा विधायक दीपिका पांडे सिंह को कांग्रेस कोटे से मंत्री बनाने की मांग किया है। श्री स्वर्णकार ने कहा की इंडिया गठबंधन की पिछली सरकार में दीपिका पांडे सिंह को अल्प समय के लिए कृषि,पशुपालन, सहकारिता,एवं आपदा प्रबंधन मंत्री बनाया गया था। उनके कार्यकाल में कुछ ही महीनों में झारखंड के हर जाति वर्ग के लोगों के लिए कृषि क्षेत्र में अपने बेहतरीन कार्य के लिए पूरे झारखंड में एक अलग पहचान बनाने में में कामयाबी हासिल तो किया हीं साथ हीं उनके कार्यकाल में कांग्रेस एवं झारखंड सरकार को काफी मजबूती एवं

डीलर पर दो माह का राशन नहीं देने का आरोप, कार्डधारियों ने किया प्रदर्शन

मेट्रो रेज

बासुकिनाथ: जरमुंडी प्रखंड की हथनामा पंचायत के जरका गांव में कार्डधारियों को दो माह से राशन डीलर द्वारा नहीं दिये जाने का मामला सामने आया है। गुरुवार को जनवितरण प्रणाली के दुकानदार द्वारा राशन नहीं दिये जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने जरमुंडी प्रखंड कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। डीलर के खिलाफ नारेबाजी की। जरका गांव के प्रधान महेंद्र कुमार ने बताया कि एसएचजी चरकियानाथ, बाघमारी, संचालक डीलर पुतुल देवी द्वारा राशनकार्ड धारियों को राशन नहीं दिया जा रहा है। बताया सितंबर व अक्तूबर का राशन अबतक नहीं दिया गया है, जबकि सभी कार्डधारी से राशनकार्ड लेकर इसमें दोनों माह का राशन इंट्री कर दी गयी है।

दर्जनों महिलाओं ने बताया कि राशन डीलर दो महीने से उनको राशन सामग्री वितरित नहीं कर रहा है। अधिकांश समय वह दुकान में ताला लगाये रखता है। शिकायत करने पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता है। दो महीने हो गये राशन नहीं दे रहा है।

बायोमीट्रिक मशीन से भी गड़बड़ी का आरोप : बायोमीट्रिक मशीन में भी गड़बड़ी करता है। जब राशनकार्डधारी ग्रामीण महिला-पुरुष डीलर के पास राशन लेने पहुंचे तो राशन देने से उसने साफ इनकार कर दिया। लोगों के साथ अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप डीलर पर लगाया गया। ग्राम प्रधान ने बताया कि राशन को लेकर जब वह संबंधित डीलर के पास पहुंचा, तो कहा कि जहां शिकायत करनी है कर लो। राशन नहीं आया है। राशनकार्डधारियों ने संबंधित डीलर पर कार्रवाई करते हुए दूसरे डीलर के पास कार्ड स्थानांतरित कराने की मांग की। कहा राशन डीलर द्वारा बेच दिया जाता है। मौके पर दर्जनों कार्डधारी मौजूद थे।

इस संबंध में अधिकारी का कहना है कि शिकायत मिली है। इसकी जांच कर संबंधित डीलर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वरीय पदाधिकारी को लिखा जायेगा। दो माह से राशन नहीं दिया जाना गंभीर मामला है।

अब तक कालाजारमुक्त नहीं हो सका है दुमका जिला

पीजेएमसीएच मेडिसिन वार्ड में 32 मरीजों का इलाज इलाज हो पाया है। इस वर्ष जिले में 32 कालाजार के मरीज पाये गये

दुमका नगरःफूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कालाजार मरीजों के उपचार के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। जनवरी से अबतक पीजेएमसीएच मेडिसिन वार्ड में 32 मरीजों का इलाज इलाज हो पाया है। इस वर्ष जिले में 32 कालाजार के मरीज पाये गये। इसमें 28 वीएल और पीकेडीएल के मरीज शामिल हैं। जामा प्रखंड के 12, सदर प्रखंड के तीन, शिकारीपाड़ा के पांच और काठीकुंड, रामगढ़ और जरमुंडी के 4-4 मरीज शामिल हैं। इस वर्ष मार्च में पांच, अप्रैल में छह, मई में चार, जून में पांच, जुलाई में छह और नवंबर में छह मरीजों का इलाज हुआ। पीजेएमसीएच में चिकित्सारत कालाजार के मरीजों के पर्याप्त संख्या में इंजेक्शन उपलब्ध है। संदिग्ध मरीजों की पहचान के लिए बोन मेरो जांच की भी सुविधा उपलब्ध है। कालाजार उन्मूलन के लिए जिला के सभी प्रखंडों में स्पेशल एक्टिव केस सर्च अभियान चलाया जा रहा है। 10 प्रखंड के 58 गांवों में अभियान चलाया जा रहा है। सर्च अभियान के दौरान कालाजार संदिग्ध मरीजों को चिह्नित कर सीएचसी भेजा जाता है, जहां संदिग्ध मरीजों की जांच के बाद संक्रमित पाये जाने पर उनका इलाज किया जाता है। मरीज की हालत गंभीर पाये जाने पर पीजेएमसीएच में भर्ती कराया जाता है।

सीएचसी में आरके 39 जांच की सुविधा उपलब्धः कालाजार की रोकथाम और पहचान के लिए जिला के सभी सीएचसी में आरके 39 जांच की सुविधा उपलब्ध है। आरके 39 जांच के बाद अगर लक्षण दिखे तो इसे कंफर्म करने के लिए पीजेएमसीएच में बोनमेरो जांच की सुविधा है। सभी सीएचसी और पीजेएमसीएच में जांच और दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। कालाजार संक्रमित मरीज के इलाज के लिए सिंगल डोज दिया जाता है। मरीज के वजन के अनुसार चिकित्सक डोज निर्धारित करते हैं। मरीज को एक दिन भर्ती रखा जाता है। सिंगल डोज दवा देकर दूसरे दिन छुट्टी दे दी जाती है।

पदाधिकारी का कहना है कि किसी को भी 15 दिनों से अधिक का बुखार हो तो वह अपना ब्लड जांच जरूर करा लें। ताकि समय पर इसकी पहचान कर समय पर इसका इलाज किया सके। इसे फैलने से रोका जा सके। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से अनुरोध है कि मच्छरदानी का उपयोग करें। घर में साफ-सफाई रखें। ताकि बालूमक्खी न पनपें। साल में दो बार कीटनाशी छिड़काव किया जाता है। छिड़काव दल को पूर्ण रूप से सहयोग करें। ताकि कालाजार से मुक्ति मिल सके।

शिशु पंजी सर्वे को समय पर पूरा करें शिक्षक : डीइओ

दुमकाः जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार व जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम ने परियोजना कार्यालय में जिले के सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी व एमआइएस को-ऑर्डिनेटर के साथ बैठक की। जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार ने कहा कि सभी प्रखंड राज्य कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्य समय सीमा में पूरा करवायें। किसी भी हालत में समय सीमा का उल्लंघन न करें। दिये गये कार्य को शत-प्रतिशत तक पूरा करवाना व राज्य स्तर में जिले की उपलब्धि को अच्छे स्तर पर बनाये रखना है। दोनों पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से वित्तीय वर्ष में शिशु पंजी सर्वे को समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। बताया कि विभागीय सचिव के निर्देशानुसार इस वर्ष माध्यमिक विद्यालय व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक सर्वेक्षण में भाग लेंगे। सहायता प्राप्त विद्यालय के शिक्षक भी इसमें सहयोग करेंगे। चार दिसंबर से चार जनवरी तक सभी सरकारी विद्यालय के शिक्षक घर घर जाकर सर्वे कार्य करेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से इस कार्य में सहयोग करने की अपील की। कोई भी बच्चा सर्वेक्षण से छूटना नहीं चाहिए। कहा कि किसी भी सरकारी विद्यालय के शिक्षक सर्वेक्षण करने से इनकार नहीं कर सकते। पारा टीचर के इपीएफ की स्थिति, बच्चों के आधार आइडी, स्कूल प्रोफाइल, स्टूडेंट प्रोफाइल, उत्कृष्ट विद्यालय बच्चों के खाते में डीबीटी इत्यादि एजेंडों की समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी देवेश कुमार सिन्हा, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी श्याम सुंदर मोदक, अमर प्रकाश टूटी, रंजन दां, कुमारी वंदना भट्ट, सहायक कंप्यूटर प्रोग्रामर सुबल चंद्र कपूर एवं सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्त भारत के आह्वान पर मंथन ने जिले में निकाला जागरूकता मार्च

यह अभियान हमारे विकसित भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है

मेट्रो रेज

साहिबगंजः जिले में पिछले डेढ़ साल में लगभग 221 बाल विवाह रुकवाने वाले गैरसरकारी संगठन मंथन ने कहा कि इस अभियान से बाल विवाह के खात्मे की लड़ाई को मिलेगी । रैली में बाल विवाह पीड़िताओं, सरकारी अफसरों, पंचायत प्रतिनिधियों व शिक्षकों सहित बड़ी संख्या में शामिल आम लोगों ने ली बाल विवाह के खिलाफ शपथ। विवाह संपन्न कराने वाले पंडितों व मौलवियों समेत धार्मिक नेताओं हलवाइयों, बैंड बाजा वालों सहित सभी हितधारकों ने किया अभियान का समर्थन।मंथन बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत के आह्वान के समर्थन में गैरसरकारी संगठन मंथन साहिबगंज जिले में बाल विवाह के खिलाफ तीस हजार पाच सौ छप्पन लोगो ने जागरूकता व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों में शामिल हुए। जिसमें समाज के हर तबके के लोग शामिल हुए। इस दौरान पुरोहितों, मौलवियों, हलवाइयों,

रसोइयों, सजावट, बैंड बाजा वालों व शादी का कार्ड छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस के मालिकों जैसे विवाह से जुड़े सभी हितधारकों ने शपथ ली कि वे बाल विवाह संपन्न कराने में किसी भी तरह से भागीदारी नहीं करेंगे और इसकी सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देंगे। मंथन 250 से भी अधिक अग्रणी गैरसरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी का सहयोगी है जो जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए काम कर रहा है।मंथन संस्था ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझा कर अकेले 2023-24 में ही जिले में 221 बाल विवाह रुकवाए हैं।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का पुरजोर समर्थन करते हुए गैरसरकारी संगठन मंथन के निदेशक विपलब महतो ने कहा, यह अभियान हमारे विकसित भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। देश की बच्चियों को शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाए बिना हम इस सपने को पूरा नहीं कर सकते और बाल विवाह इसमें सबसे बड़ी बाधा है। बाल विवाह की रोकथाम के लिए सभी पक्षों को साथ लेकर चलने और बचाव-संरक्षण एवं अभियोजन नीति पर अमल के मंत्रालय के इस फैसले का हम स्वागत करते हैं। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन होने के नाते हम पहले से ही इस रणनीति पर काम करते आ रहे हैं। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमने इस जिले में जो अभियान शुरू किया था, वह अब राष्ट्रव्यापी अभियान बन गया है। राष्ट्रव्यापी अभियान का समर्थन करते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा हमने जब यह अभियान शुरू किया था तो यह समस्या को उसकी जड़ से मिटाने के लिए बाल विवाह की ऊंची दर वाले राज्यों पर केंद्रित एक लक्षित प्रयास था। एक सुविचारित दृष्टि और रणनीति के साथ शुरू हुआ यह अभियान अब राष्ट्रव्यापी शक्ल ले चुका है और आज देश सदियों से देश में जड़ें जमाए बैठी इस कुप्रथा के खात्मे के लिए एकजुट है। जिसने भी भारत की बेटियों की पुकार सुनी, उनकी आवाज उठाई और बाल विवाह मुक्त भविष्य के सपने की ओर बढ़ने में मदद की, हम उन सभी को धन्यवाद देते हैं। मंथन 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी का सहयोगी संगठन है जो देश में बाल सुरक्षा तंत्र को मजबूती प्रदान करने व बाल अधिकारों के सुरक्षा व संरक्षण के प्रोत्साहन के लिए कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद एक बाल विवाह पीड़िता स्वीटी कुमारी नाम चेंज ने इस अपराध के खात्मे के लिए सरकार के संकल्प पर संतोष जताते हुए इस मौके पर कहा, बाल विवाह का सीधा असर न केवल लड़कियों पर, बल्कि उनके परिवार और समुदाय पर भी होता हैं। जिस लड़की की शादी कम उम्र में हो जाती है, उसके स्कूल से निकल जाने की संभावना बढ़ जाती है तथा उसके कमाने और समुदाय में योगदान देने की क्षमता कम हो जाती है। उसे घरेलू हिंसा तथा माता/ शिशु मृत्यु दर का खतरा बढ़ जाता है।बाल विवाह के खिलाफ यह सामूहिक लामबंदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत के आह्वान के समर्थन में हुई जिसकी शुरूआत 27 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने की थी। दौरान उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई और उम्मीद की इस जा रही है कि जल्दी ही शपथ लेने वालों की संख्या 25 करोड़ तक पहुंच जाएगी।

शाहिद कपूर अभिनीत देवा ने नई रिलीज डेट तय की

शाहिद कपूर लगभग एक साल से बड़े पर्दे से दूर हैं। उनकी अगली रिलीज देवा नामक एक एक्शन ड्रामा है, जो अगले साल वैलेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में आने वाली थी। हालांकि, फिल्म के निमार्ताओं ने अब इसकी थिएट्रिकल रिलीज डेट बदल दी है। फिल्म के पीछे के बैनर, जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स की नवीनतम पोस्ट के अनुसार, फिल्म अब 31 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी, जो इसकी मूल प्रीमियर तिथि से 15 दिन पहले है। "आराम से बैठें, क्योंकि इंतजार अब कम हो गया है! देवा आपके पास आपकी सोच से भी पहले आ रही है– 31 जनवरी, 2025!" निमार्ताओं ने घोषणा पोस्ट के साथ लिखा। जी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स ने कैप्शन में जोड़ा "हाइप असली है, ऊर्जा आसमान छू रही है, और हम आपके लिए इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर को उम्मीद से पहले लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं! अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें और एक दिल दहला देने वाले अनुभव के लिए तैयार हो जाइए जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे!" जी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स ने कैप्शन में जोड़ा।

फिल्म के बारे में और जानकारी

फिल्म में, शाहिद एक विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं जो एक हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रहा है। जैसे-जैसे वह गहराई से खोज करता है, वह धोखे और विश्वासघात के एक जटिल जाल को उजागर करता है, जो उसे एक खतरनाक यात्रा पर ले जाता है। पूजा हेगड़े एक पत्रकार और फिल्म की प्रमुख महिला की भूमिका निभाती हैं। मलयालम फिल्म निमार्ता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पावेल गुलाटी भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। एक्शन से भरपूर इस फिल्म का निर्माण जी स्टूडियो और सिद्धार्थ रॉय कपूर के नेतृत्व वाली रॉय कपूर फिल्म्स ने किया है। शाहिद कपूर को आखिरी बार कृति सनोन के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में देखा गया था। यह फिल्म व्यावसायिक रूप से सफल रही और इसने भारत में अपने सिनेमाघरों में 85.16 करोड़ रुपये की कमाई की।

एक वीडियो में नहीं दिखा ऐश्वर्या राय के नाम के आगे 'बच्चन' सरनेम

बॉलीवुड की खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक ऐश्वर्या राय एक्टिंग और खूबसूरती के लिए दुनियाभर में लाखों प्रशंसकों की धड़कन अभी भी बनी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। पिछले कुछ महीनों से ऐश्वर्या अपने काम की वजह से नहीं बल्कि अपनी निजी जिंदगी की वजह से खबरों में हैं। कहा जा रहा है कि उनके और अभिषेक बच्चन के बीच अनबन चल रही है। ऐसे में दुबई के एक इवेंट का वीडियो वायरल हो रहा है। ऐश्वर्या का इस वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा हो रही है कि उन्होंने बच्चन सरनेम हटा दिया है। ऐश्वर्या राय ने हाल ही में दुबई में हुए कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार शेयर किए। इस इवेंट में ऐश्वर्या ने नीले रंग की ड्रेस पर कढ़ाईदार जैकेट पहन रखी थी। इस इवेंट से ऐश्वर्या का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें स्टेज पर आते ही ऐश्वर्या का नाम बड़ी स्क्रीन पर दिखाई देता है, लेकिन स्क्रीन पर दिख रहे उनके नाम के आगे बच्चन नहीं लिखा था। स्क्रीन पर केवल 'ऐश्वर्या राय' और उसके आगे 'इंटरनेशनल स्टार' लिखा था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों का ध्यान इस बात पर गया कि क्या ऐश्वर्या ने अपने नाम से सरनेम बच्चन हटा दिया है। ऐश्वर्या राय का इंस्टाग्राम नाम ऐश्वर्या राय बच्चन है। वह इंस्टाग्राम पर पति अभिषेक बच्चन को भी फॉलो करती हैं। अमिताभ बच्चन के जन्मदिन के मौके पर उन्होंने अपनी बेटी आराध्या की एक तस्वीर उसके दादा अमिताभ के साथ शेयर की थी। दुबई के इवेंट में उनके नाम के साथ बच्चन सरनेम का न होना चर्चा का विषय बना हुआ औ। उनके और अभिषेक के तलाक की भी चचाएं हो रही हैं।

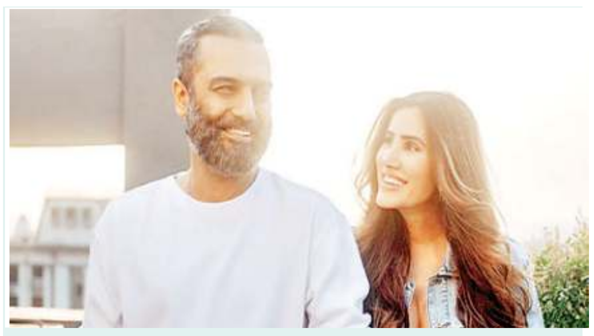

मां बनीं एक्ट्रेस सोनाली सहगल, बेटी को दिया जन्म

फिल्म 'प्यार का पंचनामा' फेम पॉपुलर बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली सहगल मां बन गई हैं। सोनाली ने एक बेटी को जन्म दिया है। बच्चे के जन्म से खुश आशीष ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया है। बिजनेसमैन आशीष सजनानी से 7 जून 2023 में शादी करने वाली सोनाली सहगल 35 साल की उम्र में मां बन गई हैं। उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया है। शादी के डेढ़ साल बाद सोनाली और आशीष एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता बन गए हैं। बेटी के जन्म के बाद दोनों बेहद खुश हैं। आशीष ने अस्पताल में डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया और बच्चे के जन्म की खबर अपने फैन्स के साथ शेयर की। इस वीडियो में उनके बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दे रही है। सोनाली ने आशीष सजनानी के साथ पांच साल तक गुपचुप तरीके से एक-दूसरे को डेट किया और डेढ़ साल पहले मुंबई में शादी के बंधन में बंध गए थे। इसके बाद सोनाली ने 16 अगस्त को इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर ये खबर शेयर की कि वो और आशीष माता-पिता बनने वाले हैं। सोनाली की फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 'प्यार का पंचनामा', 'जय मम्मी दी', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', 'सेटर्स', 'हाइजैक', 'वेडिंग पुलाव' और 'बूंदी' में अभिनय किया है। सोनाली को 'रायता', 'नूरानी चेहरा', 'जाने कहूं से आई है' के लिए भी जाना जाता है।

बिग बॉस 18 : करण वीर मेहरा ने राशन टास्क में ईशा सिंह को लगाई फटकार

बिग बॉस 18 करण वीर मेहरा ने राशन टास्क में ईशा सिंह को अनुचित व्यवहार के लिए फटकार लगाई है और शिल्पा शिरोडकर को उनके फैसले के लिए भी काफी सुनाया है। करण के इस रूप की फैंस काफी ज्यादा तारीफ कर रहे हैं। बिग बॉस 18 में हर एपिसोड के साथ बड़े ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं। करण वीर मेहरा, जिन्हें हमेशा बैकफुट पर खेलने के लिए दोषी ठहराया जाता था, अब खेल में सबसे चमक रहे हैं। घर में दो समूह हैं और उनमें से अधिकांश करण वीर के खिलाफ हैं। ईशा सिंह, अविनाश मिश्रा, रजत दलाल, विवियन डीसेना, तजिंदर सिंह बग्गा, सारा खान पिछले कुछ समय से करण वीर मेहरा को निशाना बना रहे हैं। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता पूरे फॉर्म में खेल रहे हैं। आने वाले राशन टास्क में, हम करण वीर मेहरा को ईशा सिंह के साथ बड़ी बहस करते हुए देखेंगे।

करण वीर मेहरा ने ईशा सिंह पर अपना आपा खो दिया

बिग बॉस ने प्रतियोगियों को राशन टास्क दिया है। उन्हें म्यूजिकल चेयर खेलना है और खाने के डिब्बे पास करने हैं। घर की टाइम गॉड होने के नाते ईशा सिंह टास्क की संचालक हैं। सबसे पहले प्रोमो में हम देखते हैं कि चुम दरंग पहली सीट पर बैठती है। वह अंडों का टोकरा उठाती है और अपनी टोकरी में रख लेती है। दूसरी बार, करण वीर मेहरा सीट पर बैठते हैं। हालांकि, ईशा बताती हैं कि वह सीट से आगे निकल गए थे इसलिए उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। करण चुप रहने के मूड में नहीं हैं। वह वापस लड़ते हैं। वह ईशा सिंह को अनुचित बताते हैं। वह शिल्पा शिरोडकर को उनके फैसले के लिए भी फटकार लगाते हैं।

शिल्पा ने ही ईशा सिंह को टाइम गॉड बनाया और अब वह टास्क में पक्षपात कर रही हैं। करण सही कहते हैं कि 'वह यही बात कर रहे थे कि ईशा और उनका गिरोह निष्पक्ष नहीं खेलेंगे।' शिल्पा शिरोडकर भी करण वीर के साथ जुड़ती हैं और ईशा सिंह को टास्क सही से नहीं खेलने के लिए फटकार लगाती हैं। शिल्पा टास्क छोड़ना चाहती हैं क्योंकि ईशा अनुचित व्यवहार कर रही हैं। जबकि विवियन और रजत इस ड्रामा के दौरान चुप हैं, अविनाश ईशा के पक्ष में खड़े होने और उसे सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। क्या करणवीर मेहरा का गुस्सा जायज है? हमें ट्वीट करके अपनी राय बताइए।

सीजन की पहली जीत पाने के इरादे से ईस्ट बंगाल से घर पर भिड़ेगी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड

एजेंसी

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी शुक्रवार शाम अपने घरेलू मैदान युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगी, तो मेजबान टीम का लक्ष्य इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में जीत का स्वाद चखना होगा, जबकि हाईलैंडर्स अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पूरे तीन अंक बटोरना चाहेंगे।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी नौ मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और दो हार से 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 21 गोल दागे हैं और सिर्फ 15 गोल खाए हैं। वे पिछले पांच मैचों में एक हारे हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी सात मैचों में एक ड्रा और छह हार से केवल एक अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे फिसड्डी टीम बनी हुई है। हालांकि उसने मोहम्मडन एससी के खिलाफ कोलकाता डर्बी में गोलरहित ड्रा अपना पहला अंक बटोरा था और अब वो अपने उत्साही घरेलू दर्शकों के सामने पूरे तीन अंक पाना चाहेंगी।

ईस्ट बंगाल का नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के विरुद्ध सकारात्मक रिकॉर्ड रहा है, जिसमें वो 10 फरवरी, 2024 को अपने सबसे हालिया मुकाबले में 2-3 के अंतर से हारी थी लेकिन उससे पहले वो दो बार जीती और एक ड्रा खेला।

रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने इस सीजन में अपने मैचों के शुरूआती 15 मिनट में केवल एक गोल खाया। लेकिन, वे इस अवधि में गोल नहीं कर पाए हैं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने अपने पिछले चार मुकाबलों में तीन जीत दर्ज की और एक ड्रा खेला।

हाईलैंडर्स ने अपने मैचों में औसतन केवल 41% कब्जा रखा है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस सीजन में सबसे ज्यादा 21 गोल किए हैं

ईस्ट बंगाल के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने भरोसा दिलाया कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ घरेलू टीम ने अपना होमवर्क ठीक से किया है।

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की आक्रामक ताकत के सामने हम बेअसर रहेंगे, लेकिन वो अधिक गोल करने की कोशिश करने आ रही हैं। लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे और मैच जीतेंगे।'

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने कहा कि इस मैच में आक्रामकता और रक्षात्मक अनुशासन के बीच एक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, 'हर मुकाबला अलग होता है। हमें गोल करने के लिए अधिक मौके बनाने होंगे और साथ ही उनको ऐसा करने से रोकना होगा। यही हमारा उद्देश्य है।' बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमें आठ बार भिड़ चुकी हैं, जिनमें नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी ने क्रमशः चार और दो मैच जीते हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

कार्तिक आर्यन, ने नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि !

'सिंघम अगेन' से टक्कर के बाद भी भूल भुलैया ने कमाई में झंड़े गाड़े

कार्तिक आर्यन, त्रिपती डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नेने अभिनीत भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में रिलीज होने के चार सप्ताह बाद भी फिल्म देखने वालों की पहली पसंद बनी हुई है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों के मामले में भी यह फिल्म कार्तिक की सबसे बड़ी फिल्म है। इसने अब अपनी प्रतिद्वंद्वी फिल्म सिंघम अगेन के कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है और 400 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो गई है। अपनी झोली में एक और पंख जोड़ते हुए, भूल भुलैया 3 अब एक बड़ी फिल्म के साथ रिलीज होने के बावजूद बॉलीवुड की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

भूल भुलैया 3 के बारे में

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फि ल्म में राजेश शर्मा, विजय राज, राजपाल यादव और संजय मिश्रा जैसे समीक्षकों द्वारा प्रशंसित अभिनेता भी हैं, जो हॉरर कॉमेडी में महत्वपूर्ण सहायक भूमिकाएँ निभाते हैं। यह देखना दिलचस्प है कि दिवाली के अवसर पर 1 नवंबर को रिलीज होने के बाद से भूल भुलैया 3 सिंघम अगेन से पीछे चल रही थी। हालांकि, फिल्म समीक्षकों और दर्शकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और अच्छी समीक्षा के साथ, फिल्म दूसरे और तीसरे सप्ताह में रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रही।

भूल भुलैया 3	: 264 करोड़ रुपये
डुनकी	: 232 करोड़ रुपये
सिंघम अगेन	: 220 करोड़ रुपये
बाजीराव मस्तानी	: 184 करोड़ रुपये
दिलवाले	: 149 करोड़ रुपये
रईस	: 138 करोड़ रुपये
रुस्तम	: 127 करोड़ रुपये
जब तक है जान	: 121 करोड़ रुपये
गोलमाल 3	: 106 करोड़ रुपये

रोनाल्डो और मैसी के बाद चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

रोम : रॉबर्ट लेवांडोव्स्की अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद चैंपियंस लीग फुटबाल टूनार्मेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। अर्लिंग हॉलैंड ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल होने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मैनचेस्टर सिटी की तरफ से फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए और इस प्रतियोगिता में अपनी कुल गोल की संख्या 46 पर पहुंचाई। हॉलैंड के इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद मैनचेस्टर सिटी ने फेयेनोर्ड के खिलाफ यह मैच 3-3 से ड्रा खेला। मैनचेस्टर सिटी इस तरह से पिछले छह मैच में जीत हासिल नहीं कर पाया है। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत में शुरू में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर चैंपियंस लीग में अपना 100वां गोल किया। पोलैंड के इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वाां गोल किया। चैंपियंस लीग में सर्वाधिक 140 गोल रोनाल्डो ने किए हैं। उनके बाद मेसी का नंबर आता है जिनके नाम पर 129 गोल दर्ज हैं। लेवांडोव्स्की ने मैच के बाद कहा, यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में 100 गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर खुश हूं। छत्तीस वर्षीय लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में इस मुकाम पर पहुंचे। मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से दूसरे हाफ में दानी ओल्मो ने भी गोल किया।

बार्सिलोना ने इस तरह से ब्रेस्ट के अजेय अभियान पर रोक लगाई जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। इस बीच इंटर मिलान ने लीपज़िग को आत्मघाती गोल से 1-0 से हराया। इससे वह 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जो बार्सिलोना और लिवरपूल से एक अधिक है। सीरी ए चैंपियन इंटर मिलान एकमात्र ऐसा क्लब है जिसने इस प्रतियोगिता में अभी तक कोई गोल नहीं खाया है। एक अन्य मैच में बायर्न म्यूनिख ने पेरिस सेंट-जर्मेन को 1-0 से हराया। अन्य मैचों में अटलांटा ने यंग बॉयज को 6-1 जबकि आर्सेनल ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 5-1 से पराजित किया।

छत्तीस वर्षीय लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में इस मुकाम पर पहुंचे। मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से दूसरे हाफ में दानी ओल्मो ने भी गोल किया।

प्रधानमंत्री मोदी 30 नवंबर से 1 दिसंबर तक भुवनेश्वर में

अखिल भारतीय डीजीपी सम्मेलन में लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 नवंबर से 1 दिसंबर तक ओडिशा में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि 29 नवंबर से 1 दिसंबर भुवनेश्वर स्थित राज्य कन्वेंशन सेंटर, लोक सेवा भवन में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण घटकों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, तटीय सुरक्षा, नए आपराधिक कानून, नारकोटिक्स आदि शामिल हैं। सम्मेलन के दौरान विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति

पुलिस पदक भी प्रदान किया जाएगा। इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, राज्य मंत्री (गृह मामले), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों सहित अन्य लोग भाग लेंगे।

यह सम्मेलन देश के वरिष्ठ पुलिस पेशेवरों और सुरक्षा प्रशासकों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विविध मुद्दों पर स्वतंत्र रूप से चर्चा और बहस करने के लिए एक संवादात्मक मंच प्रदान करेगा, साथ ही भारत में पुलिस के सामने आने वाली विभिन्न परिचालन, अवसंरचना और कल्याण संबंधी समस्याओं पर भी चर्चा होगी। इसके विचार-विमर्श में आंतरिक सुरक्षा खतरों के अलावा अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था प्रबंधन से संबंधित चुनौतियों से निपटने में पेशेवर प्रथाओं और प्रक्रियाओं का निर्माण और साझाकरण शामिल होगा। पीएमओ की तरफ से बताया गया है कि प्रधानमंत्री न केवल सभी योगदानों को ध्यान से सुनते हैं, बल्कि खुले और अनौपचारिक चर्चा के माहौल को बढ़ावा देते हैं, जिससे नए विचारों का उदय होता है। इस वर्ष सम्मेलन में कुछ अनूठी विशेषताएं भी जोड़ी गई हैं। योग सत्र, व्यावसायिक सत्र, ब्रेक-आउट सत्र और विषयगत भोजन तालिकाओं से शुरू होने वाले पूरे दिन का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है। इससे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को देश को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण पुलिसिंग और आंतरिक सुरक्षा मामलों पर अपने दृष्टिकोण और सुझाव प्रधानमंत्री के सामने प्रस्तुत करने का एक मूल्यवान अवसर भी मिलेगा। प्रधानमंत्री ने 2014 से पूरे देश में वार्षिक डीजीपी आईजीएसपी सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह सम्मेलन गुवाहाटी (असम), कच्छ के रण (गुजरात), हैदराबाद (तेलंगाना), टेकनपुर (ग्वालियर, मध्य प्रदेश), स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (केवड़िया, गुजरात), पुणे (महाराष्ट्र), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), नई दिल्ली और जयपुर (राजस्थान) में आयोजित किया गया।

खाई में तेल का टैंकर गिरने से चालक व परिचालक घायल

टिहरी । जनपद टिहरी के थाना नरेंद्रनगर क्षेत्रांतर्गत बेमुंड के पास शुक्रवार तड़के तेल का एक टैंकर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में चालक और परिचालक दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने रेस्क्यू कर दोनों कोनिकाला और अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के 3 बजे करीब तेल का टैंकर चंबा की तरफ जा रहा था। इसी दरम्यान थाना नरेन्द्रनगर क्षेत्रांतर्गत आगराखाल के बीच बेमुंड के पास टैंकर अनियंत्रित होकर मुख्य सड़क से लगभग 150 मीटर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में चालक राजीव शर्मा पुत्र भूपेन्द्र शर्मा (37) निवासी ग्राम झालू थाना हल्दौर ज़िला बिजनौर उत्तर प्रदेश और परिचालक निखिल चौधरी पुत्र पप्न चौधरी (18) निवासी ग्राम आयतपुर खजूरी बिजनौर नजीबाबाद उत्तर प्रदेश घायल हो गए। सूचना पर एसडीआरएफ टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंची कर रेस्क्यू कार्य शुरू किया।

संभल हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन

दो माह में रिपोर्ट सौंपी जाएगी सरकार को

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने संभल हिंसा की न्यायिक जांच कराने का फैसला किया है। सरकार ने इसके लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई। जस्टिस (रिटायर्ड) डीके अरोड़ा के नेतृत्व में आयोग दो माह में अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंपेगा।

आयोग में जस्टिस अरोड़ा के अलावा सेवानिवृत आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद और पूर्व डीजीपी एक जैन शामिल हैं। संभल में जामा मस्जिद का सर्वे करने के लिए गई टीम के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की तरफ से क्या व्यवस्था की गई, इसकी भी जांच की जाएगी। आयोग से यह सुझाव भी मांगा गया है कि भविष्य में इस

प्रकार की कोई घटना न होने पाए, इसके लिए क्या किया जा सकता है ।

उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जामा मस्जिद का सर्वे के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भारी संख्या में एकत्रित होकर उपद्रव किया। सर्वे टीम पर हमला किया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी तक इसमें घायल हुए। कथित गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जला दिए गए।

...इसलिए अमित शाह को याद है गुजरात में खरीफ सीजन से पहले के झगड़े

एजेंसी

मसूरी/देहरादून। द साबरमती रिपोर्ट फिल्म के जरिए भले लोगों को गुजरात का गोधरा कांड याद आ रहा हो, लेकिन ट्रेनी आईएएस अफसरों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को गुजरात में खरीफ सीजन के दौरान के झगड़े याद आए। समस्या के मूल पर चोट करने के संबंध में उन्होंने प्रशिक्षु अफसरों को अपने ही अंदाज में उदाहरण देते हुए कई सारी पुरानी बातों का जिक्र किया।

अमित शाह गुरुवार को मसूरी में प्रशिक्षु अफसरों के बीच करीब 90 मिनट तक बोले। कई अफसरों ने उनसे सवाल पूछे। तमाम तरह की बातें की। शाह ने इस दौरान गुजरात में खरीफ सीजन के दौरान के पुराने झगड़ों की बात साझा की। उन्होंने शुरूआत हंसते हुए की, चाहे कहीं रहूं, गृह मंत्री ही बनता हूं। जब

गुजरात का गृह मंत्री था, तब वहां खरीफ सीजन के दौरान जमीन के झगड़ों पर खूब केस दर्ज हुआ करते थे। मैने तीन जिलों पर फोकस किया। समस्या के मूल में गया। जमीन के झगड़े निबटाने के लिए सीमांकन किया। नतीजा ये निकाला कि 92 फीसदी मुकदमों में कमी आ गई। अफसरों को बेहतर कामकाज के लिए मूलमंत्र देते हुए शाह ने बार-बार गुजरात को याद किया। वहां के उदाहरण दिए। उन्होंने अफसरों को गुजरात की एक कहावत सुनाई। फिर उसका मतलब समझाया। बताया कि मेरा क्या, मुझे क्या, यदि आप ऐसा सोचते हुए काम करेंगे, तो ये खराब स्थिति होगी। ये सोच होनी ही नहीं चाहिए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अफसरों को ये भी समझाया कि वो पोस्टिंग के चक्करों में ना फंसें। भुज का उदाहरण दिया। कहा कि भुज की पोस्टिंग को खराब माना जाता था, लेकिन एक अफसर ने वहां इतना बेहतर काम किया कि पोस्टिंग के मायने ही बदल गए।

रॉयल एनफील्ड ने लॉन्च की गोअन क्लासिक 350

रांची : 70 और 80 के दशक की गोवा की अनोखी मोटो-संस्कृति से प्रेरित, रॉयल एनफील्ड ने गोअन क्लासिक 350 लॉन्च की है। यह बॉबर-स्टाइल मोटरसाइकिल आजादी, मस्ती और खुली सोच वाले लाइफस्टाइल की पहचान है। गोअन क्लासिक 350 सिर्फ एक बाइक नहीं, बल्कि खुद को अपने अंदाज में जताने का जरिया है। यह भारत की खास गोअन मोटो-संस्कृति से जुड़ी है, जिसने 70-80 के दशक में गोवा की आजाद और रंगीन लाइफस्टाइल को जन्म दिया। इसका दमदार फोर-स्ट्रोक इंजन और स्टाइलिश लुक इसे हर सफर के लिए परफेक्ट बनाते हैं। यह बाइक उन लोगों के लिए है जो हमेशा नई राहें खोजने और जिंदगी को अपने अंदाज में जीने की चाहत रखते हैं।हर कर्व और कंटूर के साथ, गोअन क्लासिक गोवा के कस्टम बिल्डर्स की स्ट्रिप्ड-डाउन और 'ट्रिप्ड-अप' क्रिएशन से प्रेरित है, जो बॉबर और गोवा की जिंदादिल लाइफस्टाइल के जोश का संगम है। चॉप्ड फेंडर्स, मिड-एप हैंडलबार्स, एर्गोनॉमिक रूप फिट की गईं लो-स्लंग सीटें और रियर सिलहॉटे उन दिनों की याद दिलाती हैं जब राइडर्स अपनी मशीनों को केवल जरूरी चीजों तक सीमित कर देते थे और उनमें उनका व्यक्तित्व नजर आता था। नई गोअन क्लासिक 350 के बारे में बात करते हुए, आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, सिद्धार्थ लाल ने कहा, 'गोअन क्लासिक स्वतंत्रता और व्यक्तित्व की भावना के लिए एक हार्दिक सम्मान है, जिसका रॉयल एनफील्ड ने दशकों से समर्थन किया है। मेरे लिए, यह मोटरसाइकिल गोवा की मोटो-संस्कृति और रॉयल एनफील्ड के जुनून का प्रतीक है, जो ऐसी मोटरसाइकिलें बनाने के लिए है जो सिर्फ मशीन से कहीं ज्यादा हैं और यह आत्म-खोज और अभिव्यक्ति का एक साधन हैं। यह मोटरसाइकिल न केवल गोवा की सड़कों पर घर जैसा महसूस कराती है, बल्कि हर जगह जिंदादिल और बेफिक्र राइडर्स के लिए गोवा का खुशनुमा एवं आरामदायक अहसास लाती है।

स्वतंत्रता सेनानी राम लखन सिंह की पुण्य तिथि पर सीएम ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पूज्य पिता अमर स्वतंत्रता सेनानी स्व कविराज रामलखन सिंह की पुण्य तिथि पर अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने अपनी माताश्री स्व परमेश्वरी देवी एवं धर्मपत्नी स्व मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री के बड़े भाई सतीश कुमार सहित मुख्यमंत्री के परिवार के अन्य सदस्यों तथा निकट संबंधियों ने अमर स्वतंत्रता सेनानी स्व कविराज रामलखन सिंह, स्व परमेश्वरी देवी एवं स्व मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री मो जमा खान, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा, पूर्व विधायक ई सुनील कुमार सहित अनेक सामाजिक,

राजनीतिक कार्यकर्ता एवं परिजनों ने अमर स्वतंत्रता सेनानी स्व० कविराज रामलखन सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा के भगवती मंदिर (देवी स्थान) में पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनका अभिवादन स्वीकार किया।

बगैर शादी के ही बैरंग वापस लौटा दूल्हा और बारात

अमेठी। जनपद मुख्यालय गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पूरे इन्दई मजरे संभावा गांव में गुरुवार की शाम को पड़ोसी जनपद प्रतापगढ़ से बारात आई हुई थी। बताया जा रहा है कि डीजे को बजाने के विवाद में बाराती और घराती आपस में फिर गए। इसके बाद नाराज वर पक्ष ने बगैर शादी के दूल्हे और बारात को वापस कर दिया। प्रतापगढ़ जनपद के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से 12 बृहस्पतिवार की शाम को अमेठी जनपद मुख्यालय गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पूरे इन्दई मजरे संभावा गांव में नंदलाल कोरी के घर बारात आई हुई थी। जहां पर डीजे बजाने को लेकर वर पक्ष और कन्या पक्ष दोनों में विवाद उत्पन्न हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों के मध्य उपजे इस विवाद के बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई । जिसमें पांच लोगों को चोटें आई हुई है। बताया जा रहा है कि इसमें विवाद करने वाले ज्यादातर लोग शराब के नशे में थे। मामले को बढ़ता देख ग्रामीणों ने पुलिस को फोन कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया और वापस आ गई।

राज्य के औद्योगिक विकास के लिए अडानी से कई बार मिले लेकिन राज्य सरकार से उनके साथ कोई समझौता नहीं हुआ : जगनमोहन

एजेंसी

अमरावती। वाईएसआर कांग्रेस नेता और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने अडानी मामले पर सनसनीखेज बयान और इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के राजधानी अमरावती के अपने कार्यालय ताडेपल्ली में मीडिया से बात की। उन्होंने अपनी सरकार के दौरान किए गए बिजली खरीद समझौतों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में इनसे सरकार का राजस्व बढ़ा है। जगन ने कहा कि चंद्रबाबू सरकार के राजस्व को हड़पने की कोशिश करने और अडानी के खिलाफ दर्ज

मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनका नाम कहीं भी नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पिछले पांच वर्षों में कई बार अडानी से मिल चुके हैं। उन्होंने खुलासा किया कि यहां कुछ परियोजनाओं पर समझौते भी किये गए लेकिन कोई तीसरा पक्ष इस समझौता में भाग नहीं लिया है। जगन मोहन रेड्डी ने चेतावनी दी कि वह उनके खिलाफ झूठ फैलाने वालों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। जगनमोहन रेड्डी ने कहा कि वे यह दिखाने की साजिश रच रहे हैं कि उनकी सरकार के शासनकाल के दौरान बिजली खरीद समझौते गलत थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के इतिहास में सबसे सस्ती बिजली खरीद हमारे शासनकाल के दौरान की गई थी। केंद्र सरकार ने कहा कि वे विशेष प्रोत्साहन देंगे। 5.10 रुपये से घटाकर 2.49 रुपये प्रति यूनिट हमारे पास 15 हजार 9 मी. बिजली की खपत है.. इससे लाखों करोड़ों की बचत होना क्या संपत्ति सृजन नहीं है? जब आपको केंद्र से लेकर राज्य तक इतना अच्छा ऑफर मिलता है तो मैं इसे किनारे रख दूं तो आप मेरे बारे में क्या सोचते हैं? जगन ने पूछा कि क्या सीएम चंद्रबाबू जानबूझकर झूठ फैलाकर अधर्म निभा रहे हैं? वाईएस जगन ने कहा कि पहले कभी इतनी सस्ती कीमत पर बिजली नहीं खरीदी गई। चंद्रबाबू के कार्यकाल के दौरान 2014-19 के बीच 133 पीपीए बनाए गए। पवन ऊर्जा के औसत 4.80 रुपये प्रति यूनिट पर बनाए गए खरीदा। जगन ने कहा कि उन्होंने औसतन 5.90 रुपये में सौर ऊर्जा की एक यूनिट खरीदी। क्या ऐसे समझौते करने वाले चंद्रबाबू कुशल और ईमानदार हैं? वाईएस जगन ने कहा कि चंद्रबाबू के सोलर ठेकों की वजह से हर साल 2 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा.. 25 साल में 50 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। क्या यह राज्य के नागरिकों से धोखा करना नहीं है?

न्यूज IN ब्रीफ

रियलमी ने 56,999 रुपये के शुरूआती मूल्य में भारत का पहला स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप, रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च किया

रांची : भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने आज लंबे इंतजार के बाद भारत के पहले स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप चिपसेट के साथ रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च किया। जीटी की हर सीरीज का डिजाइन 'बॉर्न टू एक्सीड' की अवधारणा पर आधारित है। यह बेजोड़ परफॉर्मेंस और सामर्थ्य की सीमाओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। रियलमी जीटी 7 प्रो कई अत्याधुनिक विशेषताओं के साथ परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित करने वाली एक असाधारण डिवाइस है। यह भारत की पहली डिवाइस है, जिसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप चिपसेट लगा है और इसका एंटूटू स्कोर 3 मिलियन है। रियलमी जीटी 7 प्रो में सोनी IMX882 पेरिस्कोप कैमरा लगा है, जो फोटोग्राफी का अतुलनीय अनुभव प्रदान करता है। इसमें उद्योग का पहला अकअंडरवाटर फोटोग्राफी मोड दिया गया है, जिसकी मदद से पानी के अंदर भी बेहतरीन इमेज प्राप्त होती हैं। इसमें सैमसंग डिस्प्ले के साथ मिलकर विकसित किया गया रियलवर्ल्ड इकोध डिस्प्ले दिया गया है, जो अद्वितीय विजुअल अनुभव प्रदान करता है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ परफॉरमेंस और अत्याधुनिक फीचर्स के साथ इस स्मार्टफोन में डॉल्बी विजन दिया गया है। इन सभी विशेषताओं के साथ रियलमी जीटी 7 प्रो फ्लैगशिप स्मार्टफोन की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। डॉल्बी विजन फीचर की मदद से यूजर्स अधिक जीवंत रंगों, शार्प कंट्रास्ट और शानदार डिटेल्स के साथ बेहतरीन वीडियो कैप्चर कर सकते हैं और देख सकते हैं। लॉन्च के बारे में रियलमी प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपनी प्रसिद्ध जीटी सीरीज में रियलमी जीटी 7 प्रो पेश करके बहुत उत्साहित हैं। रियलमी जीटी सीरीज ने हमेशा सीमाओं को आगे बढ़ाया है, और नए मानक स्थापित किए हैं। इस सीरीज में अत्याधुनिक इनोवेशन, जीटी 7 प्रो भारत का पहला 8 एलीट फ्लैगशिप स्मार्टफोन है, जिसमें आधुनिक स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ परफॉरमेंस प्रदान करता है। हम यह असाधारण टेक्नोलॉजी अपने ग्राहकों को पेश करके बहुत रोमांचित हैं। इससे प्रीमियम स्मार्टफोन उद्योग में अपेक्षाओं से बेहतर करने और सीमाएं बढ़ाते रहने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।'

बीएम बिरला हार्ट हॉस्पीटल ने मिनीमॅली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी के माध्यम से कार्डियाक केयर में साख बढ़ायी

रांची : बीएम बिरला हार्ट हॉस्पीटल, कोलकाता में मिनीमॅली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (एमआईसीएस) से कार्डियाक केयर के क्षेत्र में बेहतर देखभाल और परिणाम मिल रहे हैं। पूर्वी भारत के इस एकमात्र कार्डियाक सुपर-स्पेश्यलिटी हॉस्पीटल में हृदय रोगियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के उपचार मानकों का लाभ मिल रहा है। बीएम बिरला हार्ट हॉस्पीटल हृदय रोगों के इनोवेटिव उपचार के मामले में अग्रणी है और मिनीमॅली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (एमआईसीएस) ने अस्पताल की साख बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। अस्पताल में एमआईसीएस की सुविधा मरीजों को जटिल कार्डियाक सर्जरी के अधिक सुरक्षित विकल्प प्रदान करती है। अस्पताल के एक्सर्ट क्लीनिशियन और यहां उपलब्ध अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से मरीजों को बेहतर देखभाल तथा परिणामों का लाभ मिलता है। एमआईसीएस में विशेष उपकरणों तथा रोबोट की सहायता से, पसलियों (रिब्स) और आसपास छोटे आकार के चीरे लगाए जाते हैं जबकि पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी में ब्रेस्टबोन या स्टर्नम से होते हुए बड़े साइज का चीरा लगाया जाता है। एमआईसीएम का एक बड़ा फायदा यह होता है कि मरीज के लिए इसमें ट्रॉमा और रिकवरी टाइम कम हो जाता है। साथ ही, इंफेक्शन की आशंका भी घट जाती है। इस सर्जरी के दौरान ब्लीडिंग कम होती है, मरीज को कम तकलीफ होती है और सर्जरी के बाद घाव के निशान भी अपेक्षाकृत छोटे होते हैं। हृदय रोगियों के लिए एमआईसीएस किस प्रकार फायदेमंद है, इस बारे में डॉ रतन कुमार दास, डायरेक्टर ऑफ कार्डियोथोरेसिक एंड वास्क्युलर सर्जरी (सीटीवीएस), बीएम बिरला हार्ट हॉस्पीटल, कोलकाता का कहना है, 'एमआईसीएस वास्तव में, पारपंरिक ओपन-हार्ट सर्जरी की तुलना में इलाज का एडवांस तरीका है जिसके चलते सर्जरी के बाद रिकवरी टाइम कम होता है, इंफेक्शन का खतरा भी घट जाता है, और ब्लीडिंग कम होती है तथा सर्जरी के बाद घाव के निशान भी छोटे होते हैं। बेशक, एमआईसीएस का विकल्प पारंपरिक हार्ट सर्जरी के बराबर प्रभावी होता है, और कई बार कुछ जटिल मामलों में यह बेहतर साबित होता है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के समर्थन में झारखंड में हजारों लोगों ने ली शपथ

रांची : केंद्र सरकार के 'बाल विवाह मुक्त भारत' के आह्वान पर झारखंड के बाजारों, स्कूलों, गांवों और कस्बों में हजारों लोग ढोल नगाड़ों के साथ सड़कों पर उतरे और 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' (जेआरसी) एलायंस के जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल होकर इसका समर्थन किया। राज्य के 24 जिलों के 4450 गांवों में लोगों ने जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया और बाल विवाह के खिलाफ मशाल जुलूस निकाले एवं रैलियां की। एक सामाजिक उद्देश्य के लिए एकजुटता के अभूतपूर्व प्रदर्शन में, पुलिस स्टेशनों, अदालतों, पंचायत सदस्यों, धार्मिक नेताओं, स्कूली बच्चों, शिक्षकों, धर्मगुरुओं, हलवाइयों और बाल विवाह पीड़ितों ने इस बुराई को समाप्त करने और कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना देने की शपथ ली। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक गैरसरकारी संगठनों का गठबंधन 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' एलायंस बाल विवाह के खात्मे के लिए झारखंड के 24 जिलों में राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ काम कर रहा है। 'जेआरसी एलायंस ने कानूनी हस्तक्षेपों और परिजनों को समझा बुझा कर देश में 2,50,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। इस दौरान पूरे राज्य में हुए कार्यक्रम प्रतिज्ञाओं से गूंज उठे, 'मैं बाल विवाह के खिलाफ हरसंभव प्रयास करने की शपथ लेता हूं। मैं यह सुनिश्चित करने की शपथ लेता हूं कि मेरे परिवार, पड़ोस या समुदाय में कोई बाल विवाह नहीं होगा। मैं बाल विवाह के किसी भी प्रयास की रिपोर्ट पंचायत और सरकारी अधिकारियों को करने की प्रतिज्ञा करता हूं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (एनएचएफएस 2019-21) के आंकड़ों के अनुसार देश में 18 से 24 आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत लड़कियों का बाल विवाह हो जाता है जबकि झारखंड में यह आंकड़ा 32.2 प्रतिशत है। बाल विवाह की पीड़ित बच्ची का पूरा जीवन दासता में गुजरता है और उसके लिए स्वतंत्रता के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं। साथ ही, बाल विवाह महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी नहीं होने के पीछे सबसे बड़ा कारण है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान की सराहना करते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) एलायं, के संस्थापक भुवन ऋभु ने देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू किए गए इस अभियान को पूर्ण समर्थन देते हुए सरकार के प्रयासों में हरसंभव सहयोग का वादा किया।

शेयर मार्केट ने ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिस्काउंट ब्रोकिंग में शीट्स की शुरूआत की

रांची : फोनपे का प्रोडक्ट, शेयर मार्केट ने आज शीट्स के लॉन्च की घोषणा की, जो डिस्काउंट ब्रोकिंग जगत में उद्योग की पहली पेशकश है । इससे बाजार हिस्सेदारियों को सशक्त बनाने और उनके ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वेब प्लेटफॉर्म **trade.share.market** पर उपलब्ध, शीट्स बाजार डेटा को सीधे स्प्रेडशीट में आयात करके और अपने ट्रेडिंग मॉडल और रणनीतियों को सहजता से बनाकर ट्रेडर्स की मदद करता है। शेयर मार्केट ने शीट्स के अभूतपूर्व लॉन्च के साथ उद्योग को फिर से परिभाषित किया है, तथा यह देश का एकमात्र डिस्काउंट ब्रोकर बन गया है जो यह अभिनव सुविधा प्रदान करता है। यह अत्याधुनिक टूल बाजार हिस्सेदार को आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ सशक्त बनाता है, जिससे उन्हें अपनी बुद्धिमत्ता का उपयोग करने और कार्रवाई योग्य बाजार को परख कर उसे उजागर करने में मदद मिलती है।सीमित या बिना प्रोग्रामिंग बैकग्राउंड वाले ट्रेडर्स और निवेशक, विशिष्ट रणनीतियों और मानदंडों मिलाकर सैकड़ों स्टॉक को मैन्युअल रूप से मैनेज और विश्लेषण कर सकते हैं, जो ज्यादा समय लेने वाला और जटिल काम है। शीट्स इस चुनौती का समाधान करता है और ट्रेडर समुदाय को विकल्प रणनीति बनाने, खरीद और बिक्री संकेत तैयार करने और वास्तविक समय के आधार पर विचारधारा को प्रभावी ढंग से विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है।शीट्स के लॉन्च पर, शेयर.मार्केट के CEO उज्ज्वल जैन जी का कहना हैं, कि 'शेयर.मार्केट लगातार बाजार हिस्सेदारियों के लिए ब्रोकिंग अनुभव को बेहतर बनाने और उन्हें सूचित निर्णय लेने के लिए बुद्धिमान बुनियादी ढांचे के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करता है। शीट्स डिस्काउंट ब्रोकिंग इकोसिस्टम में एक अनोखा टूल है, जो मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता के बिना कई स्टॉक पर नजर रखने की प्रक्रिया को ऑटोमेट करेगा।। इससे ट्रेडर्स को जल्द निवेश रणनीति बनाने और एरर के जोखिम को कम कर पाएंगे। ये टूल्स बाजार के सिग्नल, प्रवृत्तियों और मूमेंटम परिवर्तनों की सटीक पहचान करने में सक्षम बनाते हैं। इन शक्तिशाली नई फीचर के साथ, शेयर.मार्केट ट्रेडर्स और निवेशकों को अपनी रणनीतियों को अनुकूलित करने में मदद कर रहा है, जिससे उन्हें स्मार्ट, मार्किट सिग्नल निर्णय लेने में वास्तव में महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

मंजुनाथ भजंत्री पुनः रांची के उपायुक्त बनें

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2011 बैच के आईएएस अधिकारी मंजुनाथ भजंत्री 46 दिन के बाद पुनः रांची के उपायुक्त बनाये गये हैं। इससे पूर्व एक अक्टूबर को राची के तत्कालीन उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के स्थान पर मंजुनाथ भजंत्री को रांची का नया उपायुक्त बनाया गया था। किन्तु चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव के समय इन्हें रांची के उपायुक्त पद से हटाने का निर्देश दिया था और इनके स्थान पर मनरेगा आयुक्त वरूण रंजन को रांची का नया उपायुक्त बनाया गया था। 15 अक्टूबर को वरूण रंजन को रांची के उपायुक्त पद पर पदस्थापित किये जाने की आदेश निर्गत हुए थे और वरूण रंजन ने तत्कालीन उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री से अपना पदभार ग्रहण किया था। रांची जिला में यह पहला अवसर है जब पन्द्रह दिनों के अन्तराल में तत्कालीन उपायुक्त को हटना पड़ा और पुनः चुनाव संपन्न होने के बाद श्री भजंत्री रांची के उपायुक्त बनाये गये हैं। रांची जिला में यह पहला अवसर है जब दो माह के अन्दर ही तीन उपायुक्त हटे और बदले गये।

अजीत पीटर डुगडुग बने देवघर के एसपी

विधानसभा चुनाव के समय चुनाव आयोग द्वारा देवघर के तत्कालीन एसपी अजीत पीटर डुगडुग को हटाने के निर्देश के बाद देवघर के नये एसपी के रूप में अम्बर लकड़ा पदस्थापित किये गये थे। 26 नवम्बर को आचार संहिता हटने के बाद अजीत पीटर डुगडुग को पुनः देवघर का एसपी बनाया गया है। विदित हो कि भारतीय पुलिस सेवा 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री डुगडुग ग्रामीण और ट्रैफिक एसपी रांची भी रह चुके हैं। यही नहीं श्री डुगडुग चक्रधरपुर अनुमण्डल के अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी भी रहे हैं।

डीआईजी कार्मिक ने आईआरबी दो के अवर निरीक्षक के परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया

कार्मिक डीआईजी नौशाद आलम ने अद्भूत मानवता और संवेदना का एक उदाहरण पुनः प्रस्तुत किया है। आईआरबी दो चाईबासा कैम्प मुसाबनी में पदस्थापित अवर निरीक्षक अनील कुमार किड्नी रोग से ग्रसित रहने के कारण उनका इलाज जमशेदपुर स्थित ब्रम्हानन्द अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया था। यहां उनका ब्रेन हेम्ब्रेज का चिकित्सकों के द्वारा ब्रेन हेम्बरेज का सफल आपरेशन भी किया गया था। अनील कुमार के इलाज में आ रही आर्थिक कठिनाई को जानने के बाद डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम ने तत्क्षण कार्यवाही करते हुए उनके पुत्र करण कुमार सिंह को 1,25,000/- नगद राशि उपलब्ध कराया गया जिससे कि अवर निरीक्षक अनील कुमार का ईलाज समुचित रूप से हो सके। डीआईजी के इस आर्थिक सहयोग और तत्क्षण कार्यवाही पर झारखण्ड पुलिस के पदाधिकारी महामंत्री मोहताब आलम प्रदेश संयुक्त सचिव रंजन कुमार डीआईजी से मुलाकात कर इस पुनित कार्य के लिए आभार जताया। इस मौके पर डीआईजी श्री आलम ने कहा कि ईलाजरत अनील कुमार के लिए और जो भी आवश्यकता जरूरी होगी। उसे अवश्य मुहैया कराया जायेगा और उनके परिजनों को हरसंभी मदद की जायेगी। झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन ने कहा कि डीआईजी कार्मिक का यह प्रयास और मदद परिजनों के लिए काफी मददगार है। इसके लिए पूरी प्रान्तीय टीम डीआईजी के प्रति आभार व्यक्त करती है।

पुलिस की कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

पलामूः पाटन प्रखंड के सगुना स्थित हीरो शोरूम से अनिल राम, पिता रामलाल मोची, ग्राम सगुना, के द्वारा किस्त पर दो पहिया वाहन खरीदा गया था। जिसे छह माह पहले खींच लिया गया। इसके बाद उक्त युवक शराब के नशे में जाकर शोरूम के मालिक से उलझ गया। लोगों ने बताया कि जब दो पहिया वाहन खींच लिया तो किस्त किस चीज का लिया जा रहा है। इसी मामले को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। इसकी सूचना पाटन पुलिस को दी गई।

घटना की सूचना मिलने पर पाटन पुलिस पहुंची। जहां पर ग्रामीण एवं पुलिस के बीच झड़प हुई। इसके बाद पुलिस पुनः सगुना पहुंची। जहां पुलिस झगड़ा करने वाले को दो लोगों को पकड़ कर ले जा रही थी। इस पर आक्रोशित ग्रामीणों ने शाम पांच बजे से 6:30 बजे तक सगुना पाटन पथ को जाम कर दिया। इसके बाद पाटन पुलिस प्रशासन के द्वारा जाम को हटाया गया। जबकि पाटन पुलिस मामले को सुलझाने गई थी लेकिन उक्त लोगों के द्वारा पुलिस के साथ झड़प हो गई।

हेमंत सोरेन ने चौथी बार संभाली राज्य की बागडोर

झारखंड के चौदहवें मुख्यमंत्री के तौर पर किया शपथ ग्रहण

बिनय मिश्रा

झारखण्ड के चौदहवें और चौथी बार मुख्यमंत्री बनने वाले हेमन्त सोरेन ने शपथ लेने के बाद कैबिनेट की बैठक कर कई महत्वपूर्ण योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की। आज उन्होंने धरातल पर कार्य करने का दिशा निर्देश भी जारी किया। गौरतलब हो कि हेमन्त सोरेन पहली बार 13 जुलाई 2013 को मुख्यमंत्री बनें थे और मुख्यमंत्री पद पर निरंतर 28 दिसम्बर 2014 तक बने रहें। वह दूसरी बार 29 दिसम्बर 2019 को बनें और इस पद पर 2 फरवरी 2024 तक बने रहें। राजनीतिक गतिरोध के फलस्वरूप उनके सथान पर तत्कालीन उनके सरकार के काबीना मंत्री चम्पाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया गया। वह 2 फरवरी से लेकर 4 जुलाई 2024 तक मुख्यमंत्री बनें। फिर तीसरी बार हेमन्त सोरेन 4 जुलाई को पुनः मुख्यमंत्री बनें और विधानसभा चुनाव में प्रचण्ड जीत के साथ ही वे चौथी बार मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री पद का शपथ ग्रहण किया। इस प्रकार से 15 नवम्बर 2000 को झारखण्ड राज्य निर्माण के बाद यह पहला अवसर है जब किसी राजनीतिक दल को इतना व्यापक रूप से प्रचण्ड बहुमत मिली है और यह राजनीतिक गठबंधन 81 विधानसभा में से 56 सीटों पर जीत हासिल कर अपनी मजबूत स्थिति भी दर्ज कराया है और प्रदेशवासियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को पुनः सत्ता सौंपकर भरपूर विकास के साथ-साथ पांच वर्षों तक सत्ता चलाने के लिए प्रचण्ड बहुमत दिया है। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के कुल 34 विधायक हैं वहीं कांग्रेस के 16 राष्ट्रीय जनता दल के 4 और भकपा माले को 2 सीटों पर विजयी बनाया है।

सीआरपीएफ 60 बटालियन ने लगाया स्वास्थ्य चिकित्सा व परामर्श शिविर

ज्योति पाठक

चाईबासाः नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अपनी दबिश और दमदार उपस्थिति दर्ज कराने वाले नक्सलियों को बैकफुट पर भेजने के साथ-साथ कारगर नक्सल अभियान सीआरपीएफ 60 बटालियन की विशेषता है। वहीं अपने दायित्व और कर्तव्य के बाद सामाजिक सरोकार का भी सीआरपीएफ 60 बटालियन ने एक उत्कृष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। सीआरपीएफ 60 बटालियन द्वारा मुख्यालय और शिविर के समीप अग्रसित 26 नागरिकों के बीच चिकित्सा परामर्श एवं उनके बीच निशुल्क दवाईयां उपलब्ध कराकर सीआरपीएफ ने एक मानवता का उत्कृष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया। इस निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में उपस्थित पवन कुमार कमांडेंट द्वितीय ने कहा कि सीआरपीएफ अपने कर्तव्य और दायित्व का निर्वहन भली भांति और सुचारू रूप से करने के साथ-साथ सामाजिक सरोकार से भी जुड़ा हुआ है। इसी क्रम में लगायी गयी जांच स्वास्थ्य शिविर में जांच के साथ-साथ दवाईयां भी उपलब्ध करायी गयी। इस मौके पर मुख्य रूप से सीआरपीएफ चिकित्सा पदाधिकारी और सीआरपीएफ के जवान भी उपस्थित थें। साढ़े दस बजे से प्रारंभ हुए इस अग्रसित नागरिक सहायता कार्यक्रम में भगेरिया फाउण्डेशन के प्रमुख बिनोद कुमार भगेरिया भी मुख्य रूप से उपस्थित थें और उन्होंने चक्रधरपुर सीआरपीएफ 60 बटालियन के इस बेहतर कार्य को उत्कृष्ठ बताया। वहीं सीआरपीएफ के आईजी साकेत कुमार सिंह ने भी चक्रधरपुर सीआरपीएफ 60 बटालियन के द्वारा इस जनोपयोगी कार्यक्रम को सराहा।

चुनाव खत्म होते ही बालू तस्कर सक्रिय, स्वर्णरेखा से उठाव शुरू

जादूगोड़ा : विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही जादूगोड़ा में बालू तस्कर सक्रिय हो गए हैं। स्वर्णरेखा नदी के घाटों से अवैध बालू का उठाव शुरू हो गया है। जादूगोड़ा के दुड़कू बागान टोला स्थित स्वर्णरेखा नदी से अंधाधुंध बालू का उठाव हो रहा है। इस अवैध कारोबार से जहां बालू माफिया मालामाल हो रहे हैं, वहीं झारखंड सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपए का चूना लगा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, जादूगोड़ा थाना क्षेत्र की कुलड़ीहा पंचायत के दुडकू बागान टोला से सटे गुरा नदी से प्रतिदिन 25-26 ट्रैक्टर बालू का अवैध उठाव हो रहा है। तस्कर इस अवैध बालू को आसपास के इंचडा, कुलडीहा, भाटिन जादूगोड़ा, गोविंदपुर आदि गांवों में खपा रहे हैं। बालू की कीमत प्रति ट्रैक्टर 3000 से 4000 रुपए वसूल रहे हैं। इलाके में सड़क किनारे सजी बालू की दुकानें देखी जा सकती हैं। लेकिन पुलिस प्रशासन मौन साधे हुए है।

सड़क किनारे बालू डंप करने के कारण हुआ हादसा, एक व्यक्ति की मौत

पलामूः शहर थाना क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन के पास गुरुवार देर रात सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक की पहचान पूर्वडीहा निवासी मुखराम दुबे के रूप में हुई है। घटना की सुबह ग्रामीणों ने पुलिस लाइन के पास सड़क जाम कर दी है। उनका कहना है कि सड़क पर बालू डंप कर दिया जाता है, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है। सड़क जाम की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची है।

जान जोखिम में डाल मालगाड़ी के नीचे से मरीज को पार कराया रेलवे ट्रैक

चाईबासाः जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाला एक वीडियो सामने आया है। वीडियो देख आप सन्न रह जाएंगे। एक मालगाड़ी के नीचे से स्ट्रेचर पर एक व्यक्ति को रेल लाइन पार करवाया जा रहा है। उसी मालगाड़ी के नीचे से एक-एक कर एक दर्जन से अधिक लोग रेलवे लाइन क्रॉस करके निकल रहे हैं। जानते हैं कि ये लोग कौन हैं और क्यों ऐसा कर रहे हैं?

मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए करनी पड़ी जद्दोजहदः ये सभी एक मरीज को अस्पताल पहुंचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। मरीज को एंबुलेंस तक ले जाने के लिए उन्होंने बीमार व्यक्ति को एक

किलोमीटर तक कंधे पर ढोया। फिर इस मालगाड़ी के नीचे से रेलवे ट्रैक पार करवाया, लेकिन अभी मरीज का सफर पूरा नहीं हुआ है। अभी वह एंबुलेंस तक भी नहीं पहुंचा है।

गांव से एक किलोमीटर पहले रुक गयी एंबुलेंसः मामला पश्चिमी सिंहभूम जिले के जैंतगढ़ का है। मुंडासाही गांव में पिछले दिनों एक व्यक्ति की तबीयत बिगड़ गई। उसे चंपुआ अनुमंडल अस्पताल ले जाने के लिए परिजनों को इतनी मशक्कत करनी पड़ी। दरअसल, बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाने के लिए परिजनों ने 108 नंबर पर फोन करके एंबुलेंस को बुलाया। हमेशा की तरह सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस गांव से एक किमी पहले ही रुक गयी।

परिजन स्ट्रेचर लेकर मरीज को कंधे पर लादकर एंबुलेंस तक ले जा रहे थे। रास्ते में एक रेलवे ट्रैक है, जिस पर मालगाड़ी खड़ी थी। कुछ देर इंतजार किया कि मालगाड़ी चली जाए, तो रेलवे ट्रैक पार करें। लेकिन, मालगाड़ी काफी देर तक खड़ी रही। मरीज की हालत बिगड़ने लगी, तो तय किया कि जल्दी रेलवे ट्रैक पार करते हैं। कोई रास्ता न था, सिवाय मालगाड़ी के नीचे से रेलवे लाइन को पार करने के।

मरीज की जान बचाने के लिए परिजनों ने जान जोखिम में डालकर मालगाड़ी के नीचे से स्ट्रेचर को सरकाते हुए ट्रैक के पार पहुंचाया। फिर बारी-बारी से वे लोग भी रेलवे लाइन के उस पार निकले। स्ट्रेचर पर लेटे मरीज को स्ट्रेचर समेत कंधे पर उठाया और एंबुलेंस तक पहुंचाया। इसके बाद एंबुलेंस मरीज को लेकर चंपुआ अनुमंडल अस्पताल पहुंची, जहां उसका इलाज चल रहा है।